(पौष माह) वर्ष-10, अंक 207, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

प्रयागराज सोमवार 28 अक्टूबर, 2024

TM

नगर संस्करण

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित

Adhunik Samachar

नामांकन वापस लेंगे बागी कांग्रेसी खादरी, उपमुख्यमंत्री शिवकुमार का वादा- उपयुक्त पद मिलेगा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कर्नाटक उपचुनाव में शिगगांव विधानसभा सीट से कांग्रेस के बागी नेता खादर के निर्दलीय नामाकंन का दाखिल करने के साथ ही कांग्रेस में हलचल बढ़ गई। जिसको लेकर शिवकुमार ने कहा कि खादर 30 अक्तूबर को अपना नामांकन वापस लेंगे। कर्नाटक में होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस बागी नेता सैयद अजीमपीर खादरी ने 13 नवंबर को शिगगांव विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन किया था।

जिसको लेकर कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि बागी कांग्रेस नेता सैयद खादरी शिगगांव से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर 30 अक्तूबर को अपना नामांकन वापस ले लेंगे। बता दें कि शुक्रवार को नामांकन दाखिल करने के आखिरी दिन खादरी ने आखिरी समय में शिगगांव में 13 नवंबर को होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल कर सबको चौंका दिया। जिसके बाद इस बात की सुगबुगाहट तेज हो गई कि खादरी कांग्रेस उम्मीदवार यासिर अहमद खान पठान की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाएंगे।कर्नाटक द्वारा शिगगांव विधानसभा उपचुनाव में जहां यासिर अहमद खान को चुनावी मैदान में उतारा है। तो भाजपा ने हावेरी के सांसद तथा पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के बेटे भरत बोम्मई को शिगगांव से मैदान में उतारा है। बता दें कि कर्नाटक में तीन विधानसभा सीट चन्नपटना, संदूर और शिगगांव पर उपचुनाव 13 नवंबर को होंगे। वहीं मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी। बागी नेता खादरी के कांग्रेस छोड़ निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर शिगगांव से चुनाव लड़ना कही ना कही कांग्रेस के लिए नुकसान देह साबित हो सकता था। इस बात को ध्यान में रखते हुए कर्नाटक के डिप्टी सीएन ने नाराज नेता को मनाने के लिए ने कहा कि खादरी 30 अक्टूबर को अपना नामांकन वापस ले लेंगे, पार्टी उन्हें उपयुक्त पद देगी। इसके साथ ही शिवकुमार ने बताया कि बागी कांग्रेस नेता ने उनसे अपनी चिंताओं पर चर्चा की।

असली अपराधी का पता न लगने से खफा जूनियर डॉक्टर, सीबीआई के खिलाफ 30 अक्तूबर को निकालेंगे रैली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आरजी कर कॉलेज और अस्पताल में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म के बाद हत्या की घटना को करीब ढाई महीने का समय बीत चुका है। बावजूद इसके अभी तक असली अपराधी का पता नहीं चल पाया है। इससे जूनियर डॉक्टर खफा हैं। उन्होंने एक सामूहिक सम्मेलन कर 30 अक्तूबर को सीबीआई के खिलाफ रैली निकालने का फैसला किया है। पश्चिम बंगाल में जूनियर डॉक्टर अपनी मांगों को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे हैं। आंदोलनकारी डॉक्टरों ने आरजी कर पीड़िता के लिए न्याय की मांग को लेकर अब 30 अक्तूबर को सीबीआई कार्यालय तक रैली निकालने का फैसला किया है। इससे पहले, जूनियर डॉक्टरों ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ बैठक के बाद अपना अनशन खत्म कर दिया था। पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फोरम

(डब्यूबीजेडीएफ) ने शनिवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक सामूहिक सम्मेलन आयोजित किया। जिसमें विभिन्न मेडिकल संस्थानों, समाज और बंगाली मनोरंजन उद्योग के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। छह घंटे से अधिक समय तक चला सम्मेलन इस उद्देश्य से आयोजित किया गया कि राज्य सरकार उनकी मांगों को पूरा करे। इस दौरान उन्होंने आरजी कर पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए अपनी आगामी रणनीति भी तैयार की। सम्मेलन के बाद, सभी ने मोमबत्ती और मशाल रैली निकालकर आरजी कर पीड़िता के लिए न्याय की मांग की। आंदोलनकारी डॉक्टरों में से एक अनिकेत महतो ने कहा कि हमारी प्यारी बहन, जिसकी नौ अगस्त को आरजी कर अस्पताल में दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी, ढाई महीने से अधिक समय बीतने के बाद भी पता नहीं चला है कि असली अपराधी कौन है। इसलिए, आज के सामूहिक सम्मेलन में हमने सीबीआई के खिलाफ एक रैली आयोजित करने का फैसला किया है।

विज एक्सपो सम्मेलन 2024 मुंबई के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में शुरू, प्रतिष्ठित उद्यमी और निवेशक ले रहे भा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पहले दिन 'स्टार्टअप और बदलती अर्थव्यवस्था में फंड मैनेजमेंट' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसमें देवांश लखानी, अनुराधा चौधरी व अर्जुन रस्तौगी ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में भारत-श्रीलंका के द्विपक्षीय संबंधों और व्यापार पर चर्चा में श्रीलंका के वाणिज्य दूतावास की महावाणिज्यदूत शिरानी अरियारथने ने भाग लिया। फैवफेयर्स के दो दिवसीय विज एक्सपो और सम्मेलन की मुंबई के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में शनिवार को शुरुआत हुई। इसका शुभारंभ महाराष्ट्र सरकार में पूर्व मंत्री सुभाष देसाई, श्रीलंका के वाणिज्य दूतावास की महावाणिज्यदूत शिरानी अरियारथने ने किया। इसमें उद्योग जगत से जुड़े देश के प्रतिष्ठित उद्यमी व निवेशक भाग ले रहे हैं। पहले दिन 'स्टार्टअप और बदलती अर्थव्यवस्था में फंड मैनेजमेंट' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसमें देवांश लखानी, अनुराधा चौधरी व अर्जुन रस्तौगी ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में भारत-श्रीलंका के द्विपक्षीय संबंधों और व्यापार पर चर्चा में श्रीलंका के वाणिज्य दूतावास की महावाणिज्यदूत शिरानी अरियारथने ने भाग लिया। कार्यक्रम में निवेशकों व उद्योग जगत से जुड़े लोगों के विचार जानने के लिए एक सत्र का आयोजन किया गया। इसमें व्यापार व उद्योग जगत से जुड़े व्यक्तियों ने उद्यम से संबंधित विचारों को रखा। अभिनेत्री सोनाली बिंद्रे ने विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा कार्य करने व नवोन्मेष को बढ़ावा देने वाली कंपनियों को पुरस्कार प्रदान किया। एक्सपो में 100 से अधिक स्टॉल लगाए गए थे जहां लोगों ने स्टार्टअप के बारे में विभिन्न नवोन्मेषों को जाना।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

कौशलं बलम्

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है।

रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज,पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

(वरिष्ठ आई.पी.एस.) श्री अविनाश चन्द्रा
महानिदेशक
अग्निशमन सुरक्षा एवं आपात सेवा उत्तर प्रदेश

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

रोजगार मेले में 108 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रोजगार मेलें में कुल 108 अभ्यर्थियों का चयन शनिवार को जिला सेवायोजन कार्यालय, सोनभद्र द्वारा ईश्वर प्रसाद स्नातकोत्तर महाविद्यालय, देउरा राजा, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र के परिसर में रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 300 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। उ0प्र0 राज्य सड़क परिवहन निगम (सोनभद्र डिपो) में संविदा पर चालक की भर्ती, विजन इण्डिया सर्विसेज प्रा0 लि0 (हिण्डालको इण्डस्ट्रीज लि0, रेनूकुट, सोनभद्र), एडेको इण्डिया प्रा0 लि0, वाराणसी, लैट्रीक स्टाफींग, नोएडा, एल0आई0सी0, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र, क्रेडिट एक्सेस ग्रामीण लि0, वाराणसी, शिव शक्ति एग्रीटेक लि0, वाराणसी, कॅरियर ब्रिज स्कील सोलूशन, अहमदाबाद, - डूीमलाईन इण्टरप्राईजेज, गाजियाबाद, एम0जी0 ऑटोमोबाईल्स सेल सर्विस, नोएडा, ग्रेट ऑर्गेनिक डायमण्ड प्रा0 लि0, कटनी इत्यादि कम्पनियों ने प्रतिभाग किया। इस मेलें में विभिन्न पदों पर कम्पनियों द्वारा कुल 108 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। इस अवसर पर सेवायोजन कार्यालय के सच्चिदानन्द, ईश्वर प्रसाद स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्रबन्धक मनीष पाण्डेय, प्राचार्य उमेश कुमार सिंह, विनीत कुमार पाण्डेय, सेवायोजन विभाग के, रोजगार मेला प्रभारी जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार सिंह, पवन कुमार सोनकर, यंग प्रोफेशनल सुरेन्द्र कुमार प्रजापति, मनोज कुमार एवं अंशोक कुमार आदि उपस्थित रहे।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण एवं सिंचाई विभाग द्वारा कराये जा रहे मंडलायुक्त ने कीया कार्यों का निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। महाकुंभ 2025 के दृष्टिगत प्रयागराज विकास प्राधिकरण एवं सिंचाई विभाग द्वारा कराये जा रहे विभिन्न कार्यों में से कई कार्यों का निरीक्षण आज मंडलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत ने सभी संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में किया। उन्होंने सर्वप्रथम विकास प्राधिकरण द्वारा कराए जा रहे हनुमान मंदिर कॉरिडोर के कार्यों का निरीक्षण किया तथा वीकली माइक्रो प्लान के सापेक्ष इस हफ्ते अभी तक कितना कार्य पूर्ण कराया गया है उसकी जानकारी ली। कार्यों की प्रगति लक्ष्य के सापेक्ष धीमी पाए जाने पर उन्होंने लेबर बढ़ाते हुए उसे पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसी क्रम में उन्होंने दशाश्वमेध घाट पर 110 मीटर लम्बाई में पक्के घाट, दशाश्वमेध घाट से गंगा तिराहा दारागंज तक नागवासुकि एप्रोच रोड, अमिताभ बच्चन पुलिया से नागवासुकि संपर्क मार्ग तक कटाव निरोधक कार्य के साथ-साथ 3800 मीटर लम्बी इंटरलॉकिंग सड़क तथा रसूलाबाद घाट से गंगेश्वर मंदिर तक कटाव निरोधक कार्य के साथ-साथ 4000 मीटर लम्बी इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया। कई स्थानों पर कार्यों की प्रगति धीमी पाए जाने पर उन्होंने डब्ल्यूएमएम्एवं जीएसबी बिछाने के कार्यों में लेबर बढ़ाते हुए तेजी लाने के निर्देश दिए तथा सभी कार्यों में अपेक्षित गुणवत्ता सुनिश्चित करने को कहा।उन्होंने गंगा नदी के तट पर गंगा की धारा को अविरल रखने के दृष्टिगत कराए जा रहे ड्रेजिंग वर्क का भी निरीक्षण किया तथा थर्ड पार्टी के अधिकारियों को सभी कार्यों की प्रोफाइलिंग करते हुए उनके समक्ष एक आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

जंगल में लावारिस हाल में मिली स्कॉर्पियो छानबीन में जुटी पुलिस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। डाला सोनभद्र चोपन थाना क्षेत्र के जवारीडाड में लावारिस हाल में एक स्कॉर्पियो गाड़ी देखने से आशंका में बदल गया जानकारी के मुताबिक स्कॉर्पियो सफेद कलर की जिसका नंबर ऊझ् 64ि 7227 है चोपन थाना क्षेत्र के जवारीडाड के जंगल में देखी गई है अशंका जताई जा रही है कि कहीं एक्सीडेंट करके या गाड़ी भाग रही थी जो कि चालक को ना समझ में आने की वजह से गाड़ी को जंगल में खड़ी करके मौके से फरार हो गया इसके दौरान दाहिने साइड के हेडलाइट टूटी है मौके पर चोपन थाना का उपनिरीक्षक बलजीत भारद्वाज व उप निरीक्षक रविंद्र पांडे जांच छानबीन में जुड़ गए।

ट्रेन के चपेट में आने से अधेड़ व्यक्ति कि हुई मौत शिनाख्त में जुड़ी पुलिस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
डाला सोनभद्र। स्थानीय डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के मां वैष्णो मंदिर के आगे रेलवे ओवर ब्रिज के नीचे रविवार की भोर लगभग चार बजे अज्ञात ट्रेन की चपेट में आने से एक अधेड़ व्यक्ति की कटकर मौत हो गई वहीं घटना की सूचना ट्रेन के ड्राइवर द्वारा चोपन जीआरपी निरंजन मिश्रा को दिया सूचना पाकर मौके पर पहुंचकर निरंजन मिश्रा ने डाला पुलिस चौकी को सूचना दी गई जहा सूचना पर पहुंची डाला पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेजवा दिया अधेड़ व्यक्ति उम्र लगभग 50 वर्ष शिनाख्त को लेकर स्थानीय लोग व पुलिस ने जुटी रही समाचार लिखे जाने तक शिनाख्त नहीं हो पाया।

सरस्वती परिवार द्वारा स्वच्छता अभियान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सरस्वती सामाजिक सेवा संस्थान के सौजन्य से आज दिनांक- 27.10.2024 को कार्यक्रम अधिकारी ऋषि दीक्षित के नेतृत्व में अरैल स्थित शूलटंकेशवर मंदिर के प्रांगण में भव्य स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें उन्होंने कहा कि आगामी जनवरी के माघ महीने में भव्य कुंभ मेले का आगाज होने जा रहा है, जिसमें विश्व के कोने-कोने से तीर्थ यात्री, पर्यटक आदि स्नान करने हेतु आएंगे, जिसमें स्वच्छता कर्मियों की अहम भूमिका रहेगी मेले को साफ सुथरा रखने में, जिसके माध्यम से देश के कोने कोने में प्रयागराज की छवि स्वच्छता के माध्यम से ही पहचानी एवं जानी जाएगी। संस्था के पदाधिकारी सुनील मिश्रा ने कहा कि सभी स्वयंसेवी प्रत्येक महीने के दूसरे एवं चौथे रविवार को सुबह-सुबह अपनी नींद त्याग करके मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने हेतु आम जनमानस से अपील करते हैं, जिसका परिणाम धीरे-धीरे दिखलाई पड़ रहा है कि आज लोग मंदिरों में गंदगी करने से परहेज करने लगे हैं। कार्यक्रम में सर्वश्री कुंवर जी तिवारी, धीरज यादव, सहदेव चौरसिया, सुनील कुशवाहा, डॉ एस.बी.यादव, आत्म प्रकाश यादव, संदीप केसरवानी, ओम प्रकाश श्रीवास्तव,नीरज पाण्डेय,अभिषेक यादव, ऋषिकेश प्रजापति, विनोद गुरानी, निर्मल कुशवाहा,गोविंद सिंह, कार्तिकेय तिवारी तुलसी तिवारी आदि उपस्थित रहे।

अनियंत्रित होकर कार खाई में गिरी दो सगे भाई हुए घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
डाला सोनभद्र। स्थानीय चोपन थाना क्षेत्र के अंतर्गत तेलगुडवा सड़क हादसे में कार सवार दो सगे भाई घायल हो गए प्राप्त जानकारी के मुताबिक रविवार के सुबह चोपन थाना क्षेत्र के तेलगुडवा परासपानी के तरफ जाने वाले वाराणसी शक्ति नगर राज्य मार्ग पर एक कार सड़क किनारे खाई में पलटी हुए दिखाई दिया जिसके स्थानीय राहगीरों ने चोपन पुलिस को सूचना दी वहीं घायलों अंकित कुमार उम्र करीब 32 वर्ष पुत्र कमला प्रसाद व अजय कुमार उम्र 27 वर्ष पुत्र कमला प्रसाद निवासी महुली दुद्धी दो सगे भाईयों की कार पलटने से घायल हो गए जिसके उपरांत स्थानीय लोगों के मदद से निजी वाहन से दोनों घायल को चोपन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजवाया गया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद घायल अजय कुमार की गंभीर स्थिति देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने जांच पड़ताल में जुड़ गई है।

जिलाधिकारी ने सरस्वतीकूप के सौन्दर्यीकरण एवं लेटे हनुमान जी मंदिर के कॉरिडोर निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का लिया जायजा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। प्रयागरा जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने शनिवार को महाकुम्भ-2025 के दृष्टिगत कराये जा रहे सरस्वतीकूप के सौन्दर्यीकरण एवं लेटे हनुमान जी मंदिर के कॉरिडोर निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करते हुए कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को समस्त कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय से पूरा कराये जाने के निर्देश दिए है ।

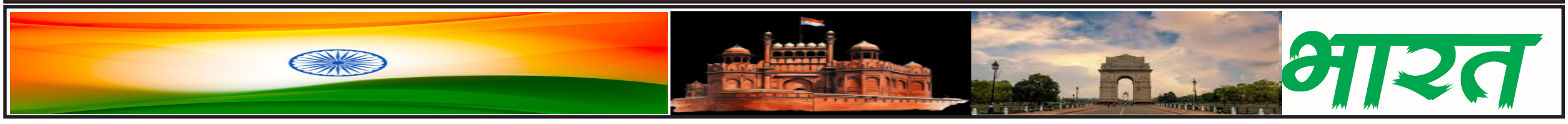

संक्षिप्त समाचार

केंद्र सरकार ने अदालत को बताया- यौन उत्पीड़न पर सबक सिखाना आसान; 'शी बॉक्स' को नया रूप दिया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शी बॉक्स को नया स्वरूप दिया। जिसके लिए केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में तर्क दिया कि इस कदम में के बाद यौन उत्पीड़न मामले में पीड़ित

आसानी से उत्पीड़ने करने वाले को सबक सिखा सकता है।केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि 29 अगस्त, 2024 को शी-बॉक्स को नया रूप दिया है। अब इसके जरिये पीड़ित आसानी से उत्पीड़न करने वाले को सबक सिखा सकती है। इससे पहले शीर्ष अदालत ने कहा था कि कुछ निर्देश जारी किए जाने की आवश्यकता है, ताकि यौन उत्पीड़न का सामना करने वाली महिला को प्रभावी ढंग से अपनी शिकायत दर्ज कराने के लिए यह सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। बता दें कि सरकार ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से निपटने के लिए पोर्टल लॉन्च किया था जिसका नाम यौन उत्पीड़न इलेक्ट्रानिक बॉक्स (शी बॉक्स) है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) और अन्य को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न का सामना करने वाली किसी भी महिला की सहायता करने और उसे सुविधा प्रदान करने का निर्देश दिया है। पीठ ने कहा कि न्याय तक पहुंच न्याय प्रदान करने जितना ही महत्वपूर्ण है। केंद्र की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने अदालत को बताया कि यौन उत्पीड़न इलेक्ट्रॉनिक बॉक्स (शी-बॉक्स) महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस मामले की अगली सुनवाई 3 दिसंबर को होगी। ब्यूरोन्यायमित्र पद्मा प्रिया ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 की धारा 9 का हवाला देते हुए कहा कि यौन उत्पीड़न की शिकार महिला के लिए सीधे 'शी-बॉक्स' तक पहुंच पाना संभव नहीं हो सकता है।

गुजरात में सी295 विमान फैक्टरी का पीएम मोदी करेंगे शुभारंभ, पेड्रो सांचेज भी होंगे मौजूद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मेक इन इंडिया की पहलः सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के वडोदरा में सी295 विमान की फैक्टरी का शुभारंभ करेंगे। मेक इन इंडिया के इस खास पहल में तीन दिनों के भारत दौरे पर आए स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज भी मौजूद रहेंगे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज सोमवार को गुजरात

के वडोदरा में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स की ओर से सी-295 विमान के निर्माण के लिए टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन करेंगे। यह भारत में सैन्य विमानों के लिए निजी क्षेत्र की पहली फाइनल असेंबली लाइन (एफएएल) होगी। अपने गृह राज्य की यात्रा के दौरान मोदी अमरेली में 4,900 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का भी शुभारंभ करेंगे। पीएम मोदी ने अक्तूबर 2022 में वडोदरा फाइनल असेंबली लाइन की आधारशिला रखी थी। पीएमओ के मुताबिक, समझौते के तहत वडोदरा संयंत्र में 40 विमान बनाए जाएंगे, जबकि विमानन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एयरबस सीधे 16 विमान उपलब्ध कराएगी। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स भारत में इन 40 विमानों को बनाएगा।वहीं एफएएल में विनिर्माण से लेकर संयोजन, परीक्षण और योग्यता, तथा विमान के संपूर्ण जीवन चक्र की डिलीवरी और रखरखाव तक संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र का पूर्ण विकास शामिल होगा। टाटा के अलावा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और भारत डायनेमिक्स जैसी अग्रणी रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां, साथ ही निजी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम भी इस कार्यक्रम में योगदान देंगे। अमरेली में प्रधानमंत्री दुधाला में भारत माता सरोवर का उद्घाटन करेंगे। यह परियोजना राज्य सरकार और ढोलकिया फाउंडेशन के बीच सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत सहयोग से विकसित की गई है। मोदी विभिन्न रेल, सड़क, जल और पर्यटन परियोजनाओं सहित अन्य परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे।

30 नवंबर तक जाति सर्वेक्षण पूरा करेंगे 80 हजार प्रशिक्षित कर्मचारी मंत्री प्रभाकर ने दिलाया यकीन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। तेलंगाना सरकार 30 नवंबर तक जाति सर्वेक्षण पूरा करा सकती है। यह सर्वेक्षण 4-5 नवंबर से शुरू किया जाएगा। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बताया कि इसे पूरा करने के लिए 80 हजार कर्मचारी लगाए जाएंगे। तेलंगाना

के मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने शनिवार को कहा कि सरकार राज्य में 4-5 नवंबर से जाति सर्वेक्षण शुरू करा सकती है। इसके 30 नवंबर तक पूरा होने की संभावना है। मंत्री प्रभाकर एक कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया को संबोधित कर रहे थे, जिसमें जाति सर्वेक्षण के लिए एक प्रारूप को मंजूरी दी गई थी।मंत्री प्रभाकर ने कहा कि यह कवायद राज्य के साथ-साथ पूरे देश में जाति सर्वेक्षण कराने की कांग्रेस नेता राहुल गांधी की प्रतिबद्धता के अनुरूप की जा रही है। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण करने के लिए 80000 सरकारी कर्मचारियों को शामिल किया जाएगा और उन्हें इसके लिए उचित रूप से प्रशिक्षित किया जाएगा।तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित एक प्रस्ताव के अनुसार, राज्य कैबिनेट ने जाति सर्वेक्षण के लिए प्रारूप को मंजूरी दे दी है, जिसके 30 नवंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। हर घर को कवर करते हुए वास्तविक गणना 4 या 5 नवंबर से शुरू होने की संभावना है। प्रभाकर ने कहा कि एकत्र किए गए सभी डेटा को सार्वजनिक डोमेन में रखा जाएगा।राजस्व मंत्री पी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि कैबिनेट ने यह भी निर्णय लिया है कि 119 विधानसभा क्षेत्रों में से प्रत्येक में सबसे गरीब लोगों के लिए 3500 घर बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा, 'दिवाली के एक या दो दिन बाद, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी इंदिराम्मा आवास कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे।'उन्होंने कहा कि राज्य और केंद्र सरकारों के बीच एक संयुक्त उद्यम के रूप में पीपीपी मॉडल के तहत 24000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से हैदराबाद मेट्रो रेल नेटवर्क को पांच मार्गों पर लगभग 76.4 किमी तक विस्तारित किया जाएगा।कैबिनेट बैठक में पीपीपी मॉडल के तहत राज्य में सड़क नेटवर्क विकसित करने का भी निर्णय लिया गया।

चीन के साथ भरोसा बहाली और मिलकर काम करने में लगेगा वक्त, भारत अपनी बात पर कायम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। जयशंकर ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त के लिए चीन के साथ हुए सफल समझौते का श्रेय सेना को दिया। उन्होंने कहा कि सेना ने बहुत ही

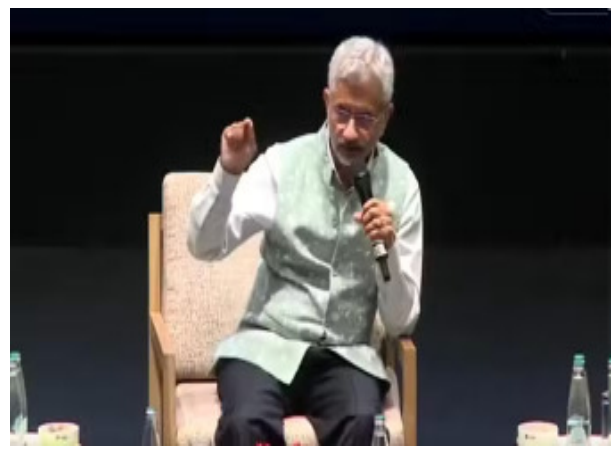

अकल्पनीय परिस्थितियों में काम किया और कुशल कूटनीति का परिचय दिया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ रिश्तों को सामान्य होने, स्वाभाविक विश्वास कायम होने और साथ मिलकर काम करने की इच्छा फिर से स्थापित करने में अभी वक्त लगेगा। जयशंकर ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त के लिए चीन के साथ हुए सफल समझौते का श्रेय सेना को दिया। उन्होंने कहा कि सेना ने बहुत ही अकल्पनीय परिस्थितियों में काम किया और कुशल कूटनीति का परिचय दिया। पुणे के एक विश्वविद्यालय में छात्रों के साथ संवाद सत्र में जयशंकर ने कहा, आज हम जिस मुकाम पर पहुंचे हैं, इसका एक कारण है कि हम अपनी जमीन पर डटे रहे और अपनी बात रखने के लिए बहुत दृढ़ प्रयास किए। सेना देश की रक्षा के लिए बहुत ही अकल्पनीय परिस्थितियों में (एलएसी पर) मौजूद थी। सेना ने अपना काम किया और कूटनीति ने अपना काम किया। एक दशक में भारत ने अपने बुनियादी ढांचे में सुधार किया है। समस्या का एक हिस्सा यह है कि पहले के वर्षों में सीमा पर बुनियादी ढांचे की वास्तव में उपेक्षा की गई थी। जयशंकर ने कहा, आज हम एक दशक पहले की तुलना में सालाना पांच गुना अधिक संसाधन लगा रहे हैं। इसके परिणाम भी दिख रहे हैं और सेना को वास्तव में प्रभावी ढंग से तैनात करने में सक्षम बना रहे हैं। इन (कारकों) के संयोजन ने हमें यहां तक पहुंचाया है।विदेश मंत्री ने कहा कि सीमा पर चीन के साथ तनाव का समाधान तीन अलग अलग पहुलओं से होना है। पहला और सबसे जरूरी पहलू है सैनिकों का पीछे हटना। क्योंकि सैनिक एक-दूसरे के बहुत करीब हैं और कुछ होने की संभावना है। दूसरे नंबर पर दोनों तरफ से सैनिकों की संख्या बढ़ने के कारण तनाव कम करना है। इसके बाद एक बड़ा मुद्दा यह है कि आप सीमा का प्रबंधन कैसे करते हैं और सीमा समझौते पर बातचीत कैसे करते हैं। जयशंकर ने कहा कि अभी जो कुछ भी हो रहा है वह पहले हिस्से से संबंधित है।विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त को लेकर हुए समझौते का यह अर्थ कतई नहीं है कि दोनों देशों के बीच सभी मसलों का समाधान हो गया है। विदेश मंत्री ने कहा कि इतना जरूर हुआ है कि सेनाओं के उस क्षेत्र से हटने से हमें अगला कदम उठाने का अवसर मिला है। सेना की वापसी महज पहला चरण है, जो हम इस स्तर पर पहुंचने में सफल रहे हैं।

विज एक्सपो सम्मेलन 2024 मुंबई के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में शुरू, प्रतिष्ठित उद्यमी और निवेशक ले रहे भाग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पहले दिन 'स्टार्टअप और बदलती अर्थव्यवस्था में फंड के दो दिवसीय विज एक्सपो और सम्मेलन की मुंबई के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में शनिवार को शुरुआत हुई। इसका

मैनेजमेंट' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसमें देवांश लखानी, अनुराधा चौधरी व अर्जुन रस्तौगी ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में भारत-श्रीलंका के द्विपक्षीय संबंधों और व्यापार पर चर्चा में श्रीलंका के वाणिज्य दूतावास की महावाणिज्यदूत शिरानी अरियारथने ने भाग लिया फैवफेयर्स विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसमें देवांश लखानी, अनुराधा चौधरी व अर्जुन रस्तौगी ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में भारत-श्रीलंका के द्विपक्षीय संबंधों और व्यापार पर चर्चा में श्रीलंका के वाणिज्य दूतावास की महावाणिज्यदूत शिरानी अरियारथने ने भाग लिया। कार्यक्रम में निवेशकों व उद्योग जगत से जुड़े लोगों के विचार जानने के लिए एक सत्र का आयोजन किया गया। इसमें व्यापार व उद्योग जगत से जुड़े व्यक्तियों ने उद्यम से संबंधित विचारों को रखा। अभिनेत्री सोनाली बिंद्रे ने विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा कार्य करने व नवोन्मेष को बढ़ावा देने वाली कंपनियों को पुरस्कार प्रदान किया। एक्सपो में 100 से अधिक स्टॉल लगाए गए थे जहां लोगों ने स्टार्टअप के बारे में विभिन्न नवोन्मेषों को जाना। एक्सपो का आज समापन होगा।

मुंबई के बांद्रा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर मची भगदड़

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मुंबई। मुंबई के बांद्रा टर्मिनस नौ पर भगदड़ की खबर है। इस हादसे में कई लोग घायल हुए हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया

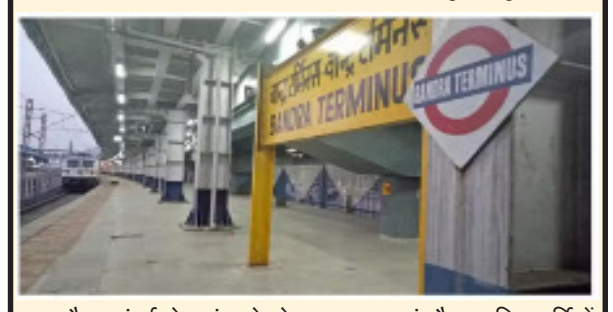

गया है। मुंबई के बांद्रा रेलवे स्टेशन पर टर्मिनस नौ के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर भगदड़ की खबर है। स्टेशन पर भारी भीड़ की वजह से भगदड़ हुई। इस भगदड़ में कई लोग घायल हुए हैं। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना देर रात की है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, त्योहारों पर घर जाने के लिए रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ थी। जैसे ही रात करीब दो बजे बांद्रा रेलवे स्टेशन पर बांद्रा-गोरखपुर एक्सप्रेस ट्रेन आई तो उसमें चढ़ने के लिए धक्का-मुक्की शुरू हो गई। इस पर वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने हालात को नियंत्रित करने की कोशिश की, लेकिन भीड़ इतनी ज्यादा थी कि हालात बेकाबू हो गए और वहां भगदड़ मच गई। इस भगदड़ में कुचले जाने से नौ लोग घायल हुए हैं। जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पूर्व सीएम बोले- बहन ने दिया धोखा आहत शर्मिला के छलके आंसू- पूछा क्या मां को अदालत घसीटना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कांग्रेस की आंध्र प्रदेश इकाई की अध्यक्ष शर्मिला ने

अमरावती में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरस्वती पावर एंड इंडस्ट्रीज के शेयर जगन के 'क्विड प्रो क्वो' (मुआवजा) मामलों में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कभी भी जब्त नहीं किए गए थे और इसलिए उन्हें बहुत पहले ही हस्तांतरित किया जा सकता था। वाईएसआर कांग्रेस के प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी की 'घर-घर की कहानी' वाली टिप्पणी को लेकर उनकी बहन वाईएस शर्मिला ने उनकी आलोचना की है। शर्मिला ने जगन पर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि क्या एक मां को अदालत में घसीटना इस वाक्यांश को उचित ठहराता है कांग्रेस की आंध्र प्रदेश इकाई की अध्यक्ष शर्मिला ने अमरावती में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया।

कठिन है कानूनी पेशा, जूनियर को ज्यादा वेतन दें वकील

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सीजेआई चंद्रचूड़ की सीख; सीजेआई जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने वकीलों को एक सीख देते हुए कहा कि वकीलों को अपने चैंबर में सीखने आने वाले युवाओं को उचित वेतन और पारिश्रमिक देना सीखना चाहिए। सीजेआई जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने वकीलों को एक सीख देते हुए कहा कि वकीलों को अपने चैंबर में सीखने आने वाले युवाओं को उचित वेतन और पारिश्रमिक देना सीखना चाहिए। कानूनी पेशा कठिन पेशा है, जहां शुरुआती वर्षों में रखी गई नींव युवा वकीलों को उनके पूरे कॅरिअर में अच्छी स्थिति में

रखती है। एक साक्षात्कार में सीजेआई ने कहा, पेशे में हमेशा उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। शुरुआत में कानूनी पेशे में अपने पहले महीने के अंत में आप जो राशि कमाते हैं, वह बहुत अधिक नहीं हो सकती है। इसलिए पहली बार आने वालों को प्रोत्साहित करना महत्वपूर्ण है कि वे दृढ़ रहें, कड़ी मेहनत करें और जो वे करते हैं, उसमें ईमानदारी बरतें।सीजेआई ने कहा, इसी तरह हमारे ढांचे में भी बदलाव होना चाहिए। वकीलों को यह सीखना चाहिए कि उनके चैंबर में आने वाले युवा वकीलों को उचित वेतन, वेतन और पारिश्रमिक कैसे दिया जाए। युवा लोग उनके पास सीखने के लिए आते हैं। उनके पास साझा करने के लिए भी बहुत कुछ है। इसलिए यह आत्मसात करने व मार्गदर्शन देने की दो-तरफा प्रक्रिया है, जिसे हमें युवा वकीलों को प्रदान करना है।

जर्मन चांसलर शोल्ज ने बिट्स पिलानी के छात्रों से की बातचीत, कहा- सीमाओं को बलपूर्वक नहीं बदला जाना चाहिए

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

गोवा। जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज ने गोवा दौरे पर बिट्स पिलानी के छात्रों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि सीमाओं को बलपूर्वक नहीं बदला जाना चाहिए। बातचीत करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने मोरमुगाओ बंदरगाह पर डॉक किए गए जर्मन नौसेना के जहाज एफजीएस बाडेन-वुर्टेमबर्ग का भी दौरा किया। जर्मन चांसलर ने याद दिलाया कि संयुक्त राष्ट्र में केन्या के राजदूत ने एक बार सुरक्षा परिषद में कहा था कि अफ्रीकी देशों की सीमाएं औपनिवेशिक शक्तियों के अधिकारियों से खींची गई हैं। यदि हम सभी सही सीमा खोजने की कोशिश करेंगे और युद्ध में उतरेंगे, तो अफ्रीका में सौ साल तक युद्ध चलेगा। शोल्ज ने कहा, ऐसा नहीं होना चाहिए, आज की सीमाएं खतरे में नहीं आनी चाहिए। यह वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए मुख्य पहलुओं में से एक है। शोल्ज ने कहा, सुचारू व्यापार के लिए सुरक्षित समुद्र की आवश्यकता है। देशों को इन सार्वभौमिक समझौतों के नियमों का पालन करना चाहिए। शोल्ज ने कहा, यह सबसे शक्तिशाली का नियम नहीं होना चाहिए, यह ऐसा नियम होना चाहिए जिसे हम सब मिलकर विकसित करें, जैसा कि संयुक्त राष्ट्र

शोल्ज ने कहा कि भारत और जर्मनी नवाचार गतिशीलता व स्थिरता के साथ आगे बढ़ रहे हैं। जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज ने कहा कि सीमाओं को 'युद्ध या बल' से नहीं बदला जाना चाहिए। यूक्रेन पर रूस का आक्रमण आज अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा है। क्योंकि यह सीमाओं को बदलने के बारे में है। राष्ट्रीय सीमाओं की अखंडता शांति का आधार है। शोल्ज ने गोवा यात्रा के दौरान वास्को में बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (बिट्स) पिलानी के छात्रों से के समुद्री कानून न्यायालय के मामले में है।शोल्ज ने कहा, भारत और जर्मनी नवाचार, गतिशीलता और स्थिरता के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बहुत सारे भारतीय अब जर्मनी में रह रहे हैं, जिनमें लगभग 50,000 छात्र शामिल हैं। यह 2022 की संख्या से 50 फीसदी अधिक है। उन्होंने कहा, मुझे यह जानकर बहुत अच्छा लगा कि भारत अब जर्मन विश्वविद्यालयों में विदेशी छात्रों के सबसे बड़े समूह का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा कि जर्मनी के भारत के साथ अच्छे संबंध हैं।

शिक्षक भर्ती घोटाले में 163 करोड़ की संपत्ति अटैच दो सौ से अधिक जमीन, 29 फ्लैट पर ईडी की कार्रवाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। ईडी ने सीबीआई की दो एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की है। इन एफआईआर में ग्रुप 'सी' और 'डी' के कर्मचारियों की अवैध नियुक्ति के मामले में अयोग्य, गैर-सूचीबद्ध और निम्न रैंक के उम्मीदवारों को नियुक्ति देने और योग्य व वास्तविक उम्मीदवारों को वंचित करने का आरोप है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल स्टाफ भर्ती घोटाले के सिलसिले में प्रसेन कुमार रॉय, उनकी पत्नी काजल सोनी रॉय और उनकी कंपनी श्री दुर्गा डीलकॉम प्राइवेट लिमिटेड की 163.20 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां अटैच की हैं। इन संपत्तियों में पांच होटल/रिसॉर्ट और अचल संपत्तियां शामिल हैं। ईडी के अनुसार, श्यामपुर, हावड़ा स्थित चलंकिता रिसॉर्ट, सुंदरबन स्थित रॉयल बंगाल रिसॉर्ट, दीघा स्थित होटल मिली (रूबीना), जलपाईगुड़ी स्थित होटल मूर्ति, अलीपुरद्वार स्थित बांस विलेज रिसॉर्ट अटैच किए गए। इसके अलावा श्री दुर्गा डीलकॉम प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर 120 जमीन के टुकड़े, प्रसन्ना कुमार रॉय के नाम पर 64 जमीन के टुकड़े व 12 फ्लैट, कार्यालय, दुकानें और काजल सोनी रॉय के नाम पर 34 जमीन के टुकड़े और 17 फ्लैट,कार्यालय,दुकानें अटैच की गईं।ईडी ने सीबीआई की दो एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की है। इन एफआईआर में ग्रुप 'सी' और 'डी' के कर्मचारियों की अवैध नियुक्ति के मामले में अयोग्य, गैर-सूचीबद्ध और निम्न रैंक के उम्मीदवारों को नियुक्ति देने और योग्य व वास्तविक उम्मीदवारों को वंचित करने का आरोप है। सीबीआई के आरोपपत्रों के मुताबिक कुल 3,432 कर्मचारियों को डब्ल्यूबीसीएसएससी के अधिकारियों की ओर से दूसरों के साथ आपराधिक साजिश में ग्रुप सी और डी स्टाफ के पद के लिए अवैध रूप से नियुक्त किया गया था। ईडी ने पहले बंगाल के सहायक शिक्षक भर्ती घोटाले के मामले में 230.6 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की थी।

मिर्ज़ापुर सोनभद्र

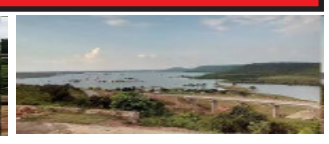

थाना चोपन पुलिस द्वारा खोये/गिरे हुए 01 अदद मल्टीमीडिया मोबाइल को बरामद कर मोबाइल स्वामी को किया गया सुपुर्द

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। आवेदक कौशिल कुमार साकेत पुत्र विशाल साकेत निवासी खैरा, पोस्ट चितरंगी सिंगरौली म0प्र0 का मोबाइल कहीं खो गया था, जिसकी सूचना आवेदक द्वारा थाना चोपन पुलिस को दी गयी तो पीड़ित के खोये हुये मोबाइल की डिटेल यूपी कॉप एप्लीकेशन के माध्यम से पूङ्कः//.मीुदन्.ग्ह/ पोर्टल पर दर्ज कराया गया । पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा के कुशल निर्देशन में जनपद में खोये/ गिरने से सम्बन्धित मोबाइल सेट की बरामदगी करने हेतु जनपद के समस्त थानों पर मोबाइल रिकवरी टीम गठित किया गया। इसी क्रम में आज दिनांक-27.10.2024 को थाना चोपन पुलिस टीम द्वारा कठिन परिश्रम करते हुये वीवो वाई 21 मल्टीमीडिया मोबाइल को सफलता पूर्वक बरामद कर मोबाइल स्वामी को सुपुर्द किया गया । जिसपर मोबाइल स्वामी एवं आमजन द्वारा पुलिस टीम की कोटि-कोटि प्रशंसा की गयी । **बरामद करने वाली टीम का विवरण -** 1.प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार चौरसिया थाना चोपन सोनभद्र । 2.कम्प्यूटर आपरेटर सुशील कुमार थाना चोपन सोनभद्र । 3.का0 सुनील कुमार यादव थाना चोपन सोनभद्र । 4.का0 सुभाष चन्द्र भारती थाना चोपन सोनभद्र।

धूमधाम से सुभासपा ने मनाया पार्टी का स्थापना दिवस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज समेत अन्य जगहों पर सुहेलदेव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर सुहेल देव भारतीय समाज पार्टी का 22वां स्थापना दिवस मनाया गया। संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष मनोज पांडेय ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर समाज के गरीब एवं दलित वर्ग के लोगों को जागरूक एवं उनका हक दिलाने के लिए पार्टी की स्थापना की है। वह सड़क से लेकर सदन तक जनहित में कार्य के लिए हमेशा आवाज उठाने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी आगामी चुनाव को देखते हुए बूथ स्तर पर लोगों को पार्टी से जोड़कर संगठन का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सरकार की योजनाओं का पात्रों का लाभ दिलाकर संगठन को मजबूत बनाने का कार्य कर रही है। बाबूलाल मौर्य, अनुराग बियार, अमरेश यादव, जितेंद्र निषाद, शेषमणि, साहिद खान, सुनील कुमार बीयार, संजय कुमार, सत्यप्रकाश पाण्डेय आदि लोग मौजूद रहे।

रिश्तेदारी में हुई मारपीट में घायल युवक ने तोड़ा दम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सदर कोतवाली क्षेत्र के निपराज गांव में पिछले दिनों मारपीट में घायल युवक ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। मूल रूप से घोरावल थाना क्षेत्र के सोतिल निवासी मनोज (35) ओबरा के एक पावर प्लांट में वेल्डिंग का कार्य करता था। सदर कोतवाली के निपराज गांव में उसकी रिश्तेदारी थी। वहां अक्सर उसका आना जाना लगा रहता था। गत छह अक्तूबर को वह अपनी रिश्तेदारी में गया था। वहां देर रात पार्टी चली। इसके बाद मारपीट हुई, जिसमें मनोज को गंभीर चोट आई। उसके सिर, पैर में चोट लगी थी। उसे जिला अस्पताल लोढ़ी में भर्ती कराया था, जहां से उसे वाराणसी रेफर कर दिया गया। वाराणसी के एक निजी अस्पताल में उपचार के बाद वह घर चला आया था। इस बीच स्थिति बिगड़ने पर उसे 21 अक्तूबर को फिर से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। मनोज के पिता की तहरीर पर पुलिस ने तीन लोगों पर हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया था। इस बीच बृहस्पतिवार की देर शाम उसकी जिला अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। विज्ञापनएसआई आरएस शर्मा का कहना है कि अवैध संबंधों से जुड़े मामले में एक युवक की पिटाई का मामला सामने आया था। इसके आधार पर पिता और उसके दो बेटों पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया गया था। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

वारिस की तलाश में रह जाते हैं लावारिस, साल दर साल बढ़ रही संख्या

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। जिला अज्ञात लाशों का डंपिंग ग्राउंड बनता जा रहा है। स्थिति यह है कि जिले में साल दर साल लावारिस शव मिलने के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। इसमें काफी संख्या में संदिग्ध परिस्थितियों में मिले शव भी शामिल होते हैं। कुछ चुनिंदा मामलों को छोड़ दें ज्यादातर मामलों में मृतकों की पहचान नहीं हो पाती है। आकड़ों के अनुसार जिले में जनवरी 2022 से अब तक करीब 34 महीने में 146 लावारिस शवों का पोस्टमार्टम कराया गया है अति पिछड़े जिले की भौगोलिक परिस्थितियां चुनौती पूर्ण हैं। जिले में आए दिन लावारिस लाश मिलना आम बात हो गई है। महिला या पुरुष के शव को दूर-दूर तक पहचानने वाला कोई नहीं होता। आकड़ों के अनुसार जिले में जनवरी 2022 से अब तक करीब 34 महीने में 146 लावारिस शवों का पोस्टमार्टम कराया। यह संख्या साल दर साल बढ़ती ही जा रही है। आकड़ों को देखे तो वर्ष 2022 में कुल 40 लावारिश शवों का पोस्टमार्टम हुआ। जबकि 2023 में 47, वहीं 2024 में अब तक 59 लावारिस शवों का पीएम कराया गया है। इसमें नदी, नाला, नहर, रेलवे ट्रैक, चौराहों और झाड़ी आदि में पाई जाने वाली लाशों के साथ ही सड़क हादसे में घायल लावारिस या बीमारी से मरने वाले लावारिस और मानसिक रोगियों सहित अन्य के शव शामिल रहते हैं। सूचना पर ऐसे लावारिस शवों को पुलिस पोस्टमार्टम के लिए भेज देती है। पहचान न होने पर 72 घंटे बाद शव की फोटो खिंचवाकर अंतिम संस्कार कर दिया जाता है। कई मामलों में शिनाख्त न होने के चलते फाइल भी बंद हो जाती है। साथ ही घटना के पीछे के रहस्य का खुलासा भी नहीं हो पाता है। हालांकि ऐसे मामले जो गंभीर होते हैं, उनमें तथ्यों के मद्देनजर पुलिस लावारिस लाशों का अंतिम संस्कार करने के बाद डीएनएन के लिए सैंपल सुरक्षित रखती है।लावारिस मौतों के मामले में मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल में मरने वाले मरीज भी शामिल हैं। इन्हें घायल होने या अचेत अवस्था में मिलने पर एंबुलेंस कर्मी जिला अस्पताल पहुंचा देते हैं। इन्हें बेहतर उपचार व सोशल मीडिया बन सकता है सहारा जिले में मिले लावारिस शवों की पहचान कराने के लिए पुलिस को काफी परेशानी से जूझना पड़ता है। पूर्व के निर्देशों पर गौर करें तो इसके लिए सोशल मीडिया का व्यापक तौर पर पहचान के लिए उपयोग होना था। हालांकि पहले ही कार्यों के बोझ से दबे पुलिस कर्मी इस ओर ज्यादा ध्यान नहीं दे पाते हैं।

शक्तिनगर राख परिवहन में लागू होगी नई व्यवस्था, सात साल पुराने वाहनों पर लगाया गया प्रतिबं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। शक्तिनगर राख परिवहन में अब नई व्यवस्था लागू होगी। इसमें सात साल और उससे ज्यादा पुराने ट्रक और ट्रेलरों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। लोडिंग प्वाइंट्स पर ही ओवरलोड चेक कर उसे रोकने के निर्देश दिए गए है। डीएम-एसप शक्तिनगर राख परिवहन में अब सात साल पुराने ट्रक-ट्रेलरों पर पाबंदी लगा दी गई है। शनिवार को डीएम-एसपी की मौजूदगी में पावर प्रोजेक्ट के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। लोडिंग प्वाइंट्स पर ही सख्ती से ओवरलोडिंग रो ओवरलोड ट्रक-ट्रेलरों के चलते आए दिन लगने वाले जाम की समस्या पर गंभीर हुए डीएम व एसपी ने शनिवार को पावर प्रोजेक्ट के अधिकारियों के साथ बैठक की। डीएम बीएन सिंह ने कहा कि बैठक का सकारात्मक परिणाम जल्द दिखेगा। उन्होंने बताया कि ओवरलोड वाहनों को लेकर दिशा निर्देश दे दिए गए हैं। इसके बावजूद यह सिलसिला नहीं थमा तो पुलिस व एआरटीओ अपना काम करेगी।डीएम ने कहा कि पावर प्रोजेक्टों के निर्बाध परिचालन व विकास कार्यों के बीच संतुलन बनाने के साथ कई निर्णय लिया गया है। इसके जरिए सभी पक्षों के हितों का ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि हाथीनाला व रेणुकूट के समीप उन स्थानों को चिन्हित किया है, जहां दुर्घटनाएं व वाहन खराब होते हैं। खराब वाहनों को सड़क से हटाने के लिए रिकवरी वैन की व्यवस्था कराई जा इसी तरह सीमित संख्या में राख लोड वाहनों को निकालने की व्यवस्था व सड़क पर बेवजह वाहनों को खड़ा करने पर रोक लगाने के साथ लोडिंग परिसर में वाहनों की पार्किंग करने का निर्देश दिया गया है। इस दौरान एसपी अशोक कुमार मीणा ने बताया कि सुचारू आवाजाही के मुद्दे पर हर माह बैठक की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस बैठक नतीजा 15 से 20 दिनों में दिखने लगेगा। बैठक में पावर परियोजनाओं के अधिकारियों साथ दुद्धी एसडीएम निखिल यादव, पिपरी सीओ अमित कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

देव भाषा संस्कृत ही भारतीय संस्कृति एवं मानवीय मूल्यों के संवर्धन का महत्वपूर्ण उपकरण है डीएम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र।रविवार कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कर कमलों से संस्कृतङ छात्रवृत्तिङ योजनाङ के शुभारंभ का सजीव प्रसारण (थ्न ऊार्तीू) आदरणीय जिलाधिकारी ङ सोनभद्र एवं ङमुख्य विकास अधिकारी ङ की संयुक्त अध्यक्षता में संपादित किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक जयराम सिंह के निर्देशन /मार्गदर्शन में संयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय संस्कृत महाविद्यालय तरावां के संस्कृत आचार्य प्रदीप मिश्र द्वारा स्वस्तिवाचन एवं मंगलाचरण से किया गया। इस आयोजन में जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा आदरणीय जिला अधिकारी को एवं ङजिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ङआनंद पांडे ङ ङद्वारा मुख्य विकास अधिकारी महोदया का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया ।कार्यक्रम में जवाहरलाल नेहरू संस्कृत माध्यमिक विद्यालय भवानी ग्राम के छात्र अंजनधन द्विवेदी द्वारा सुंदर वैदिक श्लोक गायन की भी प्रस्तुति की गई। उक्त आयोजन में ङ ङमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ङ द्वारा ङसंस्कृत के प्राचीनतम विश्वविद्यालय संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय काशी के प्रांगण से प्रदेश के 69195 विद्यार्थियों को 586 लाख की छात्रवृत्ति के वितरण कार्यक्रम के सजीव प्रसारण में मुख्यमंत्री द्वारा संस्कृत के वर्तमान समय में महत्व एवं प्रासंगिकता को समझाते हुए भारत को विश्व गुरु व विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में इस भाषा को पुनः सशक्त करने का आवाहन संपूर्ण प्रदेशवासियों से किया गया। जनपद स्तर पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा जवाहरलाल नेहरू संस्कृत माध्यमिक विद्यालय भवानी गांव एवं राष्ट्रीय संस्कृत माध्यमिक विद्यालय तरावां के छात्र-छात्राओं को प्रतीकात्मक चेक द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की साथ ही अपने संबोधन में संस्कृत और संस्कृति के आपसी समन्वय से भारत को विकसित और शक्तिशाली राष्ट्र की दिशा में प्रयास हेतु सभी को संदेश दिया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में अपर जिला सूचना अधिकारी विनय सिंह , समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर यादव , अपर निदेशक पशुपालन विभाग डॉद राकेश कुमार चौरसिया , मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी एद केद मिश्र , माध्यमिक शिक्षा विभाग जिला समन्वयक में अरविंदङ चौहान , ङसंतोष कुमार, ङकमलेश यादव ङ विजय दुबे ङ सहित राजा शारदा महेश इंटर कालेज प्रधानाचार्य बृजेश कुमार सिंह, प्रवक्ता अनिल पासवान , उउघ्ण् रावटसगंज की प्रभारी प्रधानाचार्य वंदना सिंह , राजकीय हाई स्कूल चेरुई के प्रधानाचार्य विवेकानंद मिश्र सहित कई माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य , शिक्षक शिक्षिकाएं व बच्चों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को मूर्तता प्रदान की.. अंत में जिला विद्यालय निरीक्षक ङ द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन माध्यमिक शिक्षा विभाग के जिला समन्वयक अरविंद चौहान एवं संचालन सहयोग ङशिक्षक आनंद त्रिपाठी द्वारा किया गया।

कार-बाइक में हुई टक्कर, विभिन्न हादसों में सात लोग घायल; परिजनों में मचा कोहराम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सोनभद्र में दो अलग-अलग मामलों में तीन लोगों की मौत हुई है। इसके साथ ही सात लोग घायल भी हो गए हैं। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम में भेजने के साथ ही घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया।जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में शनिवार की रात सड़क हादसों में तीन युवकों की मौत हो गई। अनपरा में बाइक और कार की आमने-सामने टक्कर हुई। इसमें बाइक सवार जीजा-साला ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद परिजन हाईवे पर बैठ गए। इससे मुख्य मार्ग पर आवागमन थम गया। वहीं पन्नूगंज में सड़क किनारे खड़े साइकिल सवार से टकराकर गिरे बाइक सवार की जान चली गई। पहली घटना अनपरा-रेणुकूट मार्ग पर करहियां के पास की है। बेलवादह के कुंडावाड़ी निवासी रामनारायण (32) और उसका साला महेश (26) एनसीएल की कोल खदान में मजदूरी करते थे। शनिवार की रात काम खत्म करने के बाद दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। करहियां के पास विपरीत दिशा से आ रही कार से बाइक टकरा गई।आमने-सामने की टक्कर से बाइक बुरी क्षतिग्रस्त हो गई। कार भी सड़क किनारे पलट गई। हादसे में बाइक सवार रामनारायण और महेश ने दम तोड़ दिया। कार में सवार महिला अनपरा निवासी मंजू वर्मा (32) पत्नी अभिषेक वर्मा, उनका पुत्र आदित्य (9) समेत पांच लोग घायल हुए मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को संयुक्त चिकित्सालय डिबुलगंज पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने मंजू को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। अन्य घायलों को उपचार कर छुट्टी दे दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही रामनारायण और महेश के परिजन मौके पर पहुंचे। रोते-बिलखते परिजन हाईवे के बीच ही बैठ गए। इससे मुख्य मार्ग पर आवागमन थम गया। दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुलिस रास्ता खाली कराने में जुटी रही। परिजनों में मचा कोहराम दूसरी घटना पन्नूगंज थाना क्षेत्र के पकरहट के पास हुई। कोरियांव गांव निवासी संतोष (26) बाइक से अपने रिश्तेदारी में वैनी जा रहा था। सड़क के किनारे खड़े साइकिल सवार आजमगढ़ निवासी रामरतन व राहुल से टकराते हुए संतोष सड़क पर गिर गया। सिर में गंभीर चोट आने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चतरा लें गये जहां से डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। संतोष का शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

अंतिम संस्कार के लिए मिलते हैं 3400 रुपये

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। जिले में लावारिस शवों की पहचान न हो पाने पर कफन और अंतिम संस्कार करने का जिम्मा पुलिस का ही होता है। कई बार शव इतनी खराब हालत में होते हैं कि बदबू आती है। पुलिस को अंतिम संस्कार के लिए 3400 रुपये मिलते हैं। यह रकम थानेदार की संस्तुति के बाद ही पुलिस लाइंस में प्रक्रिया पूरी कराने पर हासिल हो पाती है। इसमें भी कई बार कागजी प्रपुलिस्सड़क दुर्घटना और बीमारी से मरने वालों को छोड़ दें तो पुलिस रिकार्ड में वर्ष 2023 में कुल 16 शव बरामद हुए थे। इसमें से तीन शवों की शिनाख्त हुई थी, जबकि 2024 में कुल 12 अज्ञात शव बरामद हुए हैं। इसमें से दो की पहचान हुई थी। विभाग की ओर से निर्देश पर गौर करें तो अज्ञात शव की सूचना पर थाने के रोजनामचा में दर्ज कर थाना प्रभारी को खुद घटनास्थल पर पहुंच फॉरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य एकत्र कराना होता है। कपड़ों के साथ ही कागजात, टैटू और निशान, चोट पर विशेष ध्यान देना होता है। इनकी पहचान के लिए उसकी फोटो और विवरण डीसीआरबी और तिनेत्र पोर्टल के जरिए आसपास के जनपदों के थानों से लेकर अन्य जिलों और सीमावती वर्ष 2023 और 2024 में कुल 28 अज्ञात शव बरामद हुए थे। इसमें से पांच की शिनाख्त हुई थी। अज्ञात शव बरामद होने पर उसकी पहचान और रिकॉर्ड के लिए विवरण सीसीटीएनएस के फार्म आईआईएफ-10 में अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं। सभी थाना प्रभारियों को लावारिस शवों की पहचान और मौतों की जांच को लेकर निर्देश दिए गए हैं। -डॉ. अशोक कुमार मीणा, एसपी सोनभद्र।

ट्रेलर ने बाइक में मारी टक्कर, उछलकर सड़क किनारे झाड़ियों में गिरे दो लोग; दोनों ने तोड़ा दम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सोनभद्र जिले में शनिवार को सड़क हादसे में महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब उल्टे दिशा से आ रहे ट्रेलर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बाइक पर बैठा व्यक्ति और महिला दोनों उछलकर सड़क किनारे झाड़ियों में जा गिरे। सोनभद्र जिले के बीना पुलिस चौकी क्षेत्र में स्थित कोहरौलिया शिव मंदिर के पास तेज रफ्तार ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। घटना वाराणसी-शक्तिनगर मुख्य मार्ग पर शनिवार की सुबह 11 बजे की है। हादसे के बाद बाइक से उछलकर व्यक्ति और महिला सड़क किनारे झाड़ियों में चले गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को गंभीर रूप से घायल पुलिस दोनों के शव को मोर्चरी में रखवाने के साथ ही घटना की जांच पड़ताल में जुट गई। चूरकी मध्य प्रदेश निवासी बाइक सवार मृतक रामसुभग यादव एवं एटीपी कालोनी अनपरा निवासी मृत महिला साधना देवी का आपस में क्या रिश्ता है, स्पष्ट नहीं हो सका है। मौके पर पहुंचे दोनों के परिजनों ने एक दूसरे को पहचानने से इनकार कर दिया। इसके बाद मामला और पेंचीदा हो गया। पुलिस का कहना है कि घटना से संबंधित सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

स्पोर्ट्स

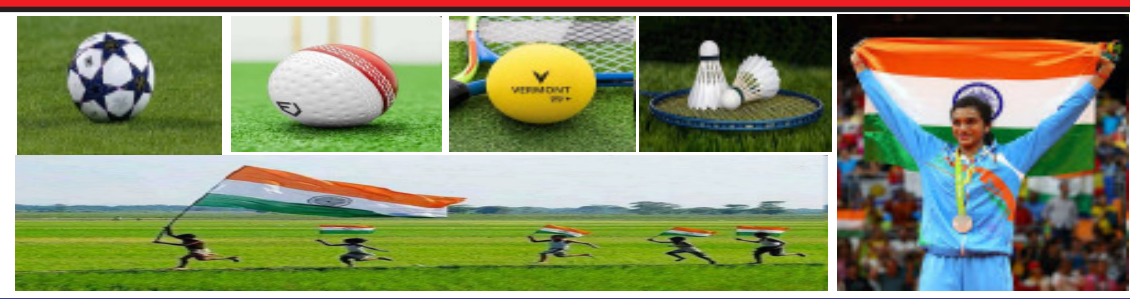

भारत रातोंरात खराब टीम नहीं बन सकता', भारतीय कप्तान रोहित के बचाव में उतरे टॉम लाथम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली हार से भारत के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहुंचने की संभावनाओं को झटका है। भारतीय टीम भले ही अभी डब्ल्यूटीसी की अंक तालिका में शीर्ष पर मौजूद हैं, लेकिन उसे अब अगले छह में से चार टेस्ट मैच जीतने होंगे। न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लाथम भारत के खिलाफ मिली जीत के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के बचाव में उतरे और उन्होंने कहा कि भारत रातोंरात खराब टीम नहीं बन सकता है। न्यूजीलैंड ने शनिवार को पुणे में खेले गए दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन भारत को 113 रनों से हराकर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली थी। इसके साथ ही कीवी टीम ने भारतीय धरती पर अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीती थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली हार से भारत के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहुंचने की संभावनाओं को झटका है। भारतीय टीम भले ही अभी डब्ल्यूटीसी की अंक तालिका में शीर्ष पर मौजूद हैं, लेकिन उसे अब अगले छह में से चार टेस्ट मैच जीतने होंगे। भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के बाद अगले महीने से ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। लाथम ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत एक नवंबर से मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम पर होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में अच्छा प्रदर्शन करेगा। लाथम ने कहा, जिस तरह यशस्वी जायसवाल, रोहित शर्मा और शुभमन गिल आए और उन्होंने बल्लेबाजी की इससे हम दबाव में आ गए थे। हमें पता था कि 10 विकेट चटकाना आसान नहीं होगा। हालांकि, भारतीय टीम को जल्द ही समेटना सही रहा, लेकिन आपको मानना होगा कि भारत एक

बेहतरीन टीम है। कुछ मैचों के बाद वह रातोंरात खराब टीम नहीं सकती। उनकी टीम में एक से 15 तक कई मैच विजेता खिलाड़ी हैं। उम्मीद है कि वे मुंबई में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। लाथम ने साथ ही कहा कि पहले दोनों टेस्ट मैच में टॉस का फैसला उनके पक्ष में रहना महत्वपूर्ण रहा। लाथम ने कहा, हमने भारत पर हावी होने की शैली अपनाई। हम उन्हें शुरू में ही झटका देने में सफल रहे। इसके अलावा टॉस का फैसला भी हमारे अनुकूल रहा। इसने वास्तव में हमारे लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हम उनके सामने कड़ी चुनौती पेश करना चाहते थे और शुरू में उन्हें झटका देना चाहते थे जिसमें हम सफल रहे। हमने बल्लेबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया जो वास्तव में महत्वपूर्ण रहा। हमारे गेंदबाजों ने बहुत अच्छा खेल दिखाया। उनका इस तरह का प्रदर्शन देखकर बहुत अच्छा लगा।

विदेशी टीम के लिए भारत में जीतना न्यूजीलैंड की जीत पर आया सचिन का बयान, इस गेंदबाज को दी बधाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मैच के बाद हिटमैन ने तीसरे टेस्ट में अच्छे प्रदर्शन

की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा- हम वानखेड़े में अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं और उस टेस्ट को जीतने की कोशिश करना चाहते हैं। दूसरे टेस्ट में 116 रनों से जीत के साथ न्यूजीलैंड ने सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली। बंगलूरू टेस्ट में मेहमानों ने भारत को आठ विकेट से हराया था। अब टीम की नजर तीसरे टेस्ट पर है। शुक्रवार को न्यूजीलैंड की जीत के बाद पूर्व महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा- किसी भी विदेशी टीम का सपना होता है कि वह भारत में जीत दर्ज करे।सचिन ने कहा- किसी भी मेहमान टीम के लिए भारत में टेस्ट सीरीज जीतना एक सपना होता है और न्यूजीलैंड ने इसे सच करने के लिए वाकई शानदार प्रदर्शन किया है। ऐसे नतीजे केवल अच्छे, हरफनमौला टीम प्रयासों से ही हासिल किए जा सकते हैं। सैंटनर को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए विशेष रूप से बधाई, जिन्होंने 13 विकेट चटकाए। न्यूजीलैंड को इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए बधाई। बता दें कि, सैंटनर ने इस मैच में कुल 13 विकेट लेकर उन्होंने बड़ी उपलब्धि हासिल की। वह भारत में एक ही मैच की दोनों पारियों में पांच विकेट हॉल लेने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। भारत ने अपने घर में लगातार दो टेस्ट गंवाए हैं। यह भी 2012 के बाद पहली बार है जब टीम इंडिया ने घरेलू सरजमीं पर लगातार दो टेस्ट गंवाए हैं। 2012 में इंग्लैंड ने भारत को चार मैचों की सीरीज में वानखेड़े में खेले गए दूसरे और ईडन गार्डेन्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में हराया था। साल 2000 से लेकर अब तक यानी 25 साल में यह तीसरी बार है जब टीम इंडिया अपने घर में लगातार दो टेस्ट हारी हो। मैच के बाद हिटमैन ने तीसरे टेस्ट में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा- हम वानखेड़े में अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं और उस टेस्ट को जीतने की कोशिश करना चाहते हैं। यह सामूहिक विफलता है। मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो केवल बल्लेबाजों या गेंदबाजों को दोष दूं। हम वानखेड़े में बेहतर इरादे, बेहतर विचार और बेहतर तरीकों के साथ सामने आएंगे। मैच की बात करें तो टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 259 रन बनाए थे। जवाब में भारत की पहली पारी 156 रन पर समाप्त हो गई थी। 103 रन के साथ न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में 255 रन बनाए और कुल मिलाकर 358 रन की बढ़त हासिल की थी। 359 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम इंडिया के लिए यशस्वी जायसवाल ने सबसे ज्यादा 77 रन बनाए और रवींद्र जडेजा ने 42 रन की पारी खेली। इन दोनों के अलावा कोई बल्लेबाज 25ह का आंकड़ा नहीं छू सका। रोहित शर्मा आठ रन, शुभमन गिल 23 रन, विराट कोहली 17 रन, ऋषभ पंत खाता खोले बिना, वॉशिंगटन सुंदर 21 रन और सरफराज खान नौ रन बनाकर आउट हुए। न्यूजीलैंड के लिए मिचेल सैंटनर ने पहली पारी में सात विकेट और दूसरी पारी में छह विकेट लिए।

भारत के इस पूर्व मुख्य कोच को भरोसा, कप्तान रोहित न्यूजीलैंड के खिलाफ हार को हलके में नहीं लेंगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत ने घरेलू जमीन पर इससे पहले आखिरी बार टेस्ट सीरीज दिसंबर 2012 में गंवाई थी

जहां उसे इंग्लैंड के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से अब तक भारत ने अपनी सरजमीं पर कोई टेस्ट सीरीज नहीं गंवाई थी। भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली हार को हलके में नहीं लेंगे। न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट में भारत को 113 रन से हराकर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। यह पिछले 12 वर्षों में पहला अवसर है जब भारत ने अपनी धरती पर टेस्ट सीरीज गंवाई है।टेस्ट मैच के दौरान कमेंट्री करते हुए शास्त्री ने कहा कि रोहित शर्मा भले ही निश्चिंत दिख रहे हों, लेकिन वह इस हार को हल्के में नहीं लेंगे। शास्त्री ने कहा कि रोहित इस हार से आहत होंगे और मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाने वाले अंतिम टेस्ट मैच में एक मजबूत वापसी करना चाहेंगे। शास्त्री ने कमेंट्री के दौरान कहा, रोहित शर्मा इसे हल्के में नहीं लेंगे। वह भले ही बहुत आराम महसूस कर रहे हों लेकिन अंदर ही अंदर उन्हें तकलीफ हो रही होगी। भारत ने घरेलू जमीन पर इससे पहले आखिरी बार टेस्ट सीरीज दिसंबर 2012 में गंवाई थी जहां उसे इंग्लैंड के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से अब तक भारत ने अपनी सरजमीं पर कोई टेस्ट सीरीज नहीं गंवाई थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली हार के साथ ही भारत का घरेलू जमीन पर टेस्ट में लगातार 18 सीरीज जीत का विजय अभियान थम गया।

पाकिस्तान की इंग्लैंड पर जीत से नाखुश रमीज राजा, लगातार छह टेस्ट हारने को लेकर कसा शान मसूद पर तंज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ मुल्तान और रावलपिंडी में जीत दर्ज करने से पहले पाकिस्तान को छह टेस्ट मैचों में हार का सामना करना

पड़ा था। इसी सीरीज का पहला मैच सात से 11 अक्तूबर के बीच मुल्तान में ही खेला गया था। इस दौरान इंग्लिश टीम ने मेजबानों को पारी और 47 रनों से हराया था पाकिस्तान ने शनिवार को तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के अंतिम और निर्णायक मैच में इंग्लैंड को नौ विकेट से हराकर सीरीज 2-1 से सीरीज अपने नाम कर ली। रावलपिंडी टेस्ट के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व चेयरमैन रमीज राजा ने शान मसूद को लगातार छह टेस्ट मुकाबले हारने के लिए घेरा। इंग्लैंड के खिलाफ मुल्तान और रावलपिंडी में जीत दर्ज करने से पहले पाकिस्तान को छह टेस्ट मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। इसी सीरीज का पहला मैच सात से 11 अक्तूबर के बीच मुल्तान में ही खेला गया था। इस दौरान इंग्लिश टीम ने मेजबानों को पारी और 47 रनों से हराया था। इससे पहले बांग्लादेश ने उन्हें घरेलू सीरीज में 0-2 से हराया था। उससे पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्हें 3-0 से हार का सामना करना पड़ा था। अब शान मसूद की कप्तानी में पाकिस्तान ने पहली सीरीज अपने नाम की है।तीसरे मैच के बाद रमीज राजा ने पाकिस्तान के कप्तान मसूद पर तंज कसा। उन्होंने कहा- 'मसूद आखिर लगातार छह टेस्ट मैच कैसे हारे थे?' इसका वीडियो भी अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फैंस को पूर्व चेयरमैन का यह अंदाज कुछ खास रास नहीं आया रावलपिंडी टेस्ट की बात करें तो इंग्लैंड ने पहली पारी में 267 रन बनाए थे, जवाब में पाकिस्तान ने पहली पारी में 344 रन बनाकर 77 रनों की बढ़त हासिल कर ली थी। दूसरी पारी में नोमान और साजिद की फिरकी के आगे इंग्लैड के बल्लेबाजों की एक ना चली और मेहमान टीम की दूसरी पारी 112 रनों की सिमट गई। इंग्लैंड ने इस तरह पाकिस्तान के सामने 36 रनों का आसान लक्ष्य रखा जिसे पाकिस्तान ने एक विकेट खोकर 37 रन बनाकर प्राप्त कर लिया। पाकिस्तान के लिए दूसरी पारी में कप्तान शान मसूद 23 रन और सलामी बल्लेबाज अब्दुल्लाह शफीक पांच रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि जैक लीच ने सईम अयूब को आउट किया जिन्होंने आठ रन बनाए थे। पाकिस्तान की ओर से लेफ्ट ऑफ स्पिनर नोमान अली ने 42 रन देकर छह विकेट लिए, जबकि ऑफ स्पिनर साजिद को 69 रन देकर चार विकेट मिले।

यशस्वी जायसवाल ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, घरेलू मैदान पर सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले भारतीय बने

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पुणे में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में 22 वर्षीय बल्लेबाज ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। पहली पारी में उन्होंने 30 रन बनाए जबकि

दूसरे पारी में 77 रन बनाए। उन्होंने 1315 गेंदों में 1000 रन पूरे किए। भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच खेले गए दूसरे टेस्ट मुकाबले में यशस्वी जायसवाल ने दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने विरोधियों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वह अब घरेलू मैदान पर टेस्ट में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले भारतीय बन गए। पुणे में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में 22 वर्षीय बल्लेबाज ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। पहली पारी में उन्होंने 30 रन बनाए जबकि दूसरे पारी में 77 रन बनाए। उन्होंने 1315 गेंदों में 1000 रन पूरे किए। इस मामले में जायसवाल ने वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 1436 में यह कारनामा किया था। इस लिस्ट में तीसरे पायदान पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा हैं जिन्होंने 1506 गेंदों में घरेलू मैदान पर 1000 टेस्ट रन पूरे किए थे। यशस्वी की विस्फोटक बल्लेबाजी ने हर किसी का दिल जीत लिया है। यही कारण है कि उन्हें अगले महीने वाले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भी चुना गया है मालूम हो कि, अब तक बहुत कम खिलाड़ी एक कैलेंडर वर्ष में घरेलू टेस्ट मैचों में 1000ह रन बनाने में कामयाब हुए हैं। घरेलू मैदान पर खेले गए टेस्ट मैचों में एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क के नाम है।

इस खिलाड़ी पर दांव लगा सकती है सीएसके, साइमन डुल ने बताया कौन हो सकता है धोनी का उत्तराधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इस दौरान डुल ने उन खिलाड़ियों के नाम बताए जिन्हें सीएसके मेगा नीलामी से पहले रिटेन

कर सकती है। पूर्व गेंदबाज के मुताबिक, चेन्नई कप्तान ऋतुराज गायकवाड़, स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और दिग्गज बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी को रिटेन कर सकती है। आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। इससे पहले फ्रेंचाइजियों को खिलाड़ियों की रिटेंशन लिस्ट जारी करनी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने रिटेंशन की तारीख 31 अक्तूबर तय की है। इससे पहले न्यूजीलैंड के पूर्व गेंदबाज साइमन डुल ने चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के उत्तराधिकारी का नाम बताया है। दिग्गज ने ऋषभ पंत को चेन्नई का दारोमदार संभालने के लायक समझा। इस दौरान डुल ने उन खिलाड़ियों के नाम बताए जिन्हें सीएसके मेगा नीलामी से पहले रिटेन कर सकती है। पूर्व गेंदबाज के मुताबिक, चेन्नई कप्तान ऋतुराज गायकवाड़, स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और दिग्गज बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी को रिटेन कर सकती है। डुल ने स्पोर्ट्स 18 से बात करते हुए कहा- ऋतुराज गायकवाड़ और फिर रविंद्र जडेजा, मुझे लगता है कि मथीशा पथिराना को भी रिटेन किया जा सकता है। मैंने देखा कि एमएस ने कहा कि मैं आपको रिटेंशन की अनुमति मिलने से एक दिन पहले बता दूंगा। वह इस समय थोड़ा सा संदेह में रख रहे हैं कि वह टीम में शामिल होंगे या नहीं। जाहिर है, अगर वह उपलब्ध हैं और खेलने के लिए तैयार हैं, तो वह एक और खिलाड़ी हैं जिन्हें टीम में बनाए रखना होगा। वह फ्रेंचाइजी के लिए सबसे बढ़िया खिलाड़ी हैं। कीवी गेंदबाज ने आगे अपने हमवतन खिलाड़ी रचिन रवींद्र का नाम लिया। उन्होंने बताया कि अगर ऋषभ पंत नीलामी में आते हैं तो फ्रेंचाइजी उन्हें शामिल करने के लिए मोटा पैसा खर्च करेगी। उनमें धोनी की विरासत को आगे ले जाने की काबिलियत है। डुल ने आगे कहा- इस सीरीज में मैंने जो देखा है, उसके बाद मुझे लगता है कि रचिन रवींद्र सबसे बेहतर हैं। इसके अलावा मुझे लगता है कि अगर सीएसके नीलामी में जाती है तो वह ऋषभ पंत पर भारी दांव लगाएगी। एमएस धोनी के बाद वह सीएसके को आगे ले जाने वाले खिलाड़ी हैं।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन्‍ रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

इस पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने बुमराह को तीसरे टेस्ट से आराम देने कहा, सिराज को मौका देने का सुझाव दिया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सिराज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला गया पहला टेस्ट मैच खेला था, लेकिन पुणे में खेले गए दूसरे टेस्ट में उन्हें बाहर किया गया और उनकी जगह आकाश दीप को प्लेइंग-11 में मौका मिला था। भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम देने की मांग की है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच एक नवंबर से मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच खेला जाएगा। कार्तिक का कहना है कि भारत को इस मुकाबले के लिए बुमराह की जगह मोहम्मद सिराज को प्लेइंग-11 में वापस लाना चाहिए। सिराज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला गया पहला टेस्ट मैच खेला था, लेकिन पुणे में खेले गए दूसरे टेस्ट में उन्हें बाहर किया गया और उनकी जगह आकाश दीप को प्लेइंग-11 में मौका मिला था। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट में बुमराह का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है और उन्होंने सिर्फ तीन विकेट झटके

हैं। इस दौरान बुमराह ने 3.09 की इकॉनोमी से गेंदबाजी की है। कार्तिक ने कहा, इसमें कोई शक नहीं कि जसप्रीत बुमराह को निश्चित तौर पर आराम की जरूरत है। ऐसा हो सकता है और आप मोहम्मद सिराज को आते देखेंगे। मैं किसी अन्य बदलाव के बारे में नहीं सोच सकता जब तक कि किसी को कोई परेशानी न हो। जिन बल्लेबाज या गेंदबाजों ने यह मुकाबला खेला है, उन्हें मौका नहीं देने का मुझे कोई कारण नहीं दिखता। न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली हार के साथ ही भारत का घरेलू जमीन पर टेस्ट में लगातार 18 सीरीज जीत का विजय अभियान थम गया। भारत ने फरवरी 2013 से अक्तूबर 2024 तक कुल 18 टेस्ट सीरीज घरेलू मैदान पर जीती, लेकिन न्यूजीलैंड ने उसका यह अभियान समाप्त कर दिया। टेस्ट में घरेलू मैदान पर लगातार सबसे ज्यादा सीरीज जीतने का रिकॉर्ड भारत के ही नाम है। न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट मैच में भारत के सामने जीत के लिए 359 रनों का लक्ष्य रखा था, लेकिन भारतीय टीम 245 रनों पर ऑलआउट हो गई। कीवी टीम ने भारत पर 2-0 की अजेय बढ़त ले ली थी जो उसकी भारतीय जमीन पर पहली टेस्ट सीरीज जीत है। कार्तिक भारत की इस हार से काफी दुखी हैं। उन्होंने कहा, हार की निराशा अभी भी मेरे दिमाग पर भारी है। मैं ठीक से नहीं सोच पा रहा हूं कि तीसरे टेस्ट मैच के लिए अंतिम एकादश क्या होगी। ईमानदारी से कहें तो यह बहुत छोटा नोटिस है, लेकिन अगर मुझे सीधे सोचना पड़े तो मैं कहूंगा कि बुमराह को आराम दें और सिराज को वापस लाएं। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खत्म होने के बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी। दोनों टीमों के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पहला मैच 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाना है।

सम्पादकीय

आबादी के असंतुलन से जूझता झारखंड, घुसपैठ के कारण खतरे में जनजाति समाज और मातृभाषा

झारखंड विधानसभा चुनावों के कारण चर्चा में है, लेकिन यह आबादी के असंतुलन के लिए भी चर्चा का विषय बनना चाहिए। बिहार, झारखंड और ओडिशा 1912 तक बंगाल प्रांत में ही शामिल थे। पहले बंगाल से बिहार, फिर बिहार से ओडिशा अलग होकर प्रांत बना। चूंकि झारखंड में जनजाति की संख्या प्रभावी थी, अतः एक अलग प्रांत बनाने की मांग हो रही थी। इस मांग को लेकर लंबा आंदोलन चला और अंततः वर्ष 2000 में वाजपेयी सरकार ने झारखंड को एक अलग राज्य बनाकर वर्षों पुरानी मांग को पूरा किया। झारखंड समृद्ध खनिज भंडार वाला एक राज्य है। खनिज उत्पादन के मामले में यह तीसरे स्थान पर है। जमशेदपुर, बोकारो और रांची देश में बड़े औद्योगिक केंद्र के रुप में जाने जाते हैं। स्वाभाविक है कि झारखंड जब बिहार से अलग हुआ तो लालू प्रसाद यादव इसके पक्ष में नहीं थे। आदिवासी अस्मिता के नाम पर अस्तित्व में आए इस राज्य के समक्ष अब एक नए संकट ने दस्तक दी है और वह है बढ़ती घुसपैठ। यदि यह सिलसिला कायम रहा तो मूल निवासी आदिवासी समाज हाशिए पर जाता रहेगा। दिसंबर 2022 में रांची उच्च न्यायालय में दायर एक जनहित याचिका में कहा गया था कि संताल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठिए आ रहे हैं। वोट बैंक की राजनीति करने वालों ने इसे नकार दिया, जबकि मनमोहन सरकार ने जुलाई, 2004 में संसद में स्वीकारा कि 31 दिसंबर 2001 तक देश में 1.20 करोड़ बांग्लादेशी घुसपैठिए आ गए हैं, जिसमें से 50 लाख असम में हैं। सवाल यह है कि अगर 50 लाख असम में हैं तो फिर 70 लाख कहां थे? इस समय झारखंड में जो सरकार है, उसमें कांग्रेस भी शामिल है। अफसोस की बात है कि हेमंत सरकार ने घुसपैठ को न केवल नकारा, बल्कि न्यायालय में संताल परगना के उपायुक्तों को यह लिखकर दे दिया कि यहां घुसपैठिए नहीं हैं। संतान परगना में साहिबगंज, पाकुड़, गोड्डा, देवघर, दुमका और जामताड़ा जैसे इलाके आते हैं। आजादी के बाद 1951 से 2011 के बीच देश में मुस्लिम 4.31 प्रतिशत बढ़े, लेकिन संताल परगना में ये 13.29 प्रतिशत बढ़े, जो देश के किसी भी जिले से ज्यादा हैं। यहां हिंदू आबादी भी लगातार घटने पर है। झारखंड में 1961 की कुल जनसंख्या में हिंदू 79.59 प्रतिशत थे, जो 2011 में घटकर 67.83 प्रतिशत रह गए। यह इसलिए हुआ, क्योंकि जनजाति समाज जनगणना के समय हिंदुत्व को नकारने लगा। झारखंड में 1961 में जनजाति हिंदू आबादी 70.32 प्रतिशत थी, जो 2011 में घटकर 37.54 रह गई है। 2011 में देश में 'अन्य' की संख्या में 53.36 प्रतिशत केवल झारखंड से थे और उसमें भी 94.73 प्रतिशत जनजाति बंधु थे। बांग्लादेशी घुसपैठ के अलावा संताल परगना से जनजाति पलायन भी एक मुद्दा है। 1951 में संताल परगना में 44.66 प्रतिशत संख्या जनजातीय लोगों की थी, जो 2011 में घटकर 28.11 रह गई। यानी उनकी संख्या में 16.55 प्रतिशत की कमी आई। वोट बैंक के लालच में जनजाति पलायन को यह कहकर नकारा जा रहा है कि रोजगार के अभाव में जनजाति तबके पलायन कर रहे हैं। सवाल उठता है कि वह कौन सी नौकरी है, जिसके लोभ में बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठ करके तो आ रहे हैं, पर उस काम को जनजाति बंधु करना नहीं चाहते? चूंकि संताल परगना का मामला उच्च न्यायालय में आ गया तो उस पर चर्चा हो रही है, लेकिन झारखंड के तमाम जनजातीय इलाकों में यह समस्या बहुत आम हो गई है। पुराना रांची जिला जो अब रांची, खुटी, सिमडेगा, गुमला तथा लोहरदगा जिला हो गया है और सिंहभूम जो अब पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम तथा सरायकेला-खरसावां जिला है, वहां से भी जनजाति पलायन हुआ है। 1961 से 2011 के बीच राष्ट्रीय स्तर पर जनजाति/आदिवासी समाज 1.83 प्रतिशत बढ़ा, पर झारखंड में यह समाज 7.72 प्रतिशत घटा। संताल परगना में यह समाज 44.66 से घटकर 28.11, पुराने रांची जिले में 60.48 प्रतिशत से घटकर 51.07 प्रतिशत यानी 10.53 प्रतिशत घटा है। पुराने सिंहभूम में 47.30 से घटकर 41.96 प्रतिशत हो गया है। ध्यान रहे ये आंकड़े 2011 के हैं। इस रुझान से अनुमान लगाया जाए तो अब रांची जिले में जनजाति समाज बहुसंख्यक से सिकुड़कर अल्पसंख्यक हो गया होगा। मातृभाषा किसी समाज की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। इसमें उस समाज का इतिहास भी छिपा रहता है। गीत-संगीत, कथा-कहानी के माध्यम से भावी पीढ़ी उससे जुड़ती है। आज झारखंड का जनजाति समाज और उसकी मातृभाषा भी खतरे में है।

एमवीए में सीट बंटवारे पर राहुल नाराज; पटोले का उद्धव को पत्र, प्रत्याशी घोषित करने पर आपत्ति जताई

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की नाराजगी सामने आने के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को पत्र भेजकर मनमाने तौर पर उम्मीदवार घोषित करने पर रोष जताया है। इससे दोनों पार्टियों के बीच अंदरूनी विवाद और गहरा गया है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अवधि महज तीन दिन शेष है, लेकिन विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाड़ी (एमवीए) में अभी तक सीटों की गुत्थी नहीं सुलझ पाई है। इस बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी की नाराजगी सामने आने के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को पत्र भेजकर मनमाने तौर पर उम्मीदवार घोषित करने पर रोष जताया है। इससे दोनों पार्टियों के बीच अंदरूनी विवाद और गहरा गया है। राहुल ने खासतौर से विदर्भ और मुंबई की सीटों के बंटवारे पर सवाल उठाया है। नाना पटोले ने उद्धव को पत्र लिखा है कि जिन सीटों पर फैसला नहीं हुआ है उन पर उम्मीदवार घोषित कर और एबी फार्म जारी करना अनुचित है। वहीं, पटोले के पत्र से उद्धव ठाकरे नाखुश हो गए हैं। सूत्रों का कहना है कि शिवसेना (यूबीटी) कुछ सीटों पर कांग्रेस से अदला-बदली के लिए तैयार थी, लेकिन नाना पटोले के पत्र के बाद उद्धव ने कड़ा रुख अपना लिया है।इस बीच शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि एमवीए को सबका साथ, सबका विकास की जरूरत है। राउत ने एक तरह से कांग्रेस को नसीहत दी और हरियाणा के चुनाव परिणाम को लेकर आईना दिखाया। राउत ने कहा, कांग्रेस को सबको साथ लेकर चलना होगा। एमवीए में शामिल कांग्रेस, एनसीपी (एसपी) और शिवसेना (यूबीटी) ने पहले 85-85

का फार्मूला तय किया था। ठाकरे की पार्टी ने अब तक सबसे अधिक 83 उम्मीदवार घोषित किए हैं। पटोले के पत्र के बाद बढ़ी तल्खी को कम करने के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बालासाहेब थोरात ने शनिवार को उद्धव ठाकरे से मुलाकात की। इसके बाद नया फार्मूला सामने आया कि तीनों दल 90-90 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे, जबकि सहयोगी दलों को 18 सीटें तय की गई हैं। शरद पवार गुट की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने 22 उम्मीदवारों की दूसरी सूची की घोषणा की। मुंबई में एनसीपी (एसपी) के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने उम्मीदवारों के नामों का खुलासा किया। पाटिल ने कहा, अब तक 67 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की गई है और हम सभी निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल करेंगे। पार्टी ने अरंडोल से अन्ना पाटिल, गंगापुर से सतीश चव्हाण, शाहपुर से पांडुरंग बरोरा, परांदा से राहुल मोटे, बीड से संदीप क्षीरसागर, अरवी से मयूरा काले, बागलान से दीपिका चव्हाण, येवला से माणिकराव शिंदे को चुनाव मैदान में उतारा है। इससे पहले, 24 अक्तूबर को एनसीपी (एसपी) ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 45 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की थी। विधानसभा चुनाव को लेकर शिवसेना (यूबीटी) ने शनिवार को 18 प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी की। इसमें मुंबई की वर्सोवा सीट से एक मुस्लिम हारून खान को मैदान में उतारा है। इससे शिवसेना (यूबीटी) में ही बगावत की स्थिति खड़ी हो गई है। स्थानीय नेता राजू पेडणेकर ने हारुन खान के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ने का एलान कर दिया है। 23 अक्तूबर को 65 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी। इस तरह पार्टी ने अब तक अपने 83 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। कांग्रेस ने शनिवार को महाराष्ट्र में दूसरी और तीसरी सूची में क्रमशः 23 और 16 नामों का एलान किया। पहली सूची के 48 नामों को मिलाकर पार्टी अब तक 87 प्रत्याशियो का एलान कर चुकी है। भुसावल से डॉ. राजेश तुकाराम मानवाटकर जलगांव से स्वाति संदीप बरेकर, अकोट से महेश गंगे, वर्धा से शेखर प्रमोद बाबू शिंदे को मैदान में उतर गया है। सावनेर से अनुज सुनील केदार, नागपुर दक्षिण से गिरीश कृष्ण राव पांडव, कमाती से सुरेश यादव राव भाया, बांद्रा से पूजा गणेश थपकर, अर्जुनी मोरगण से दिलीप वामन बंसर चुनाव लड़ेंगे। यहां से अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने पूर्व भाजपा मंत्री राजकुमार बेडेल को उम्मीदवार बनाया है। वह 2009 और 2014 से भी इसी सीट से चुनाव लड़े थे और हाल ही में एनसीपी में शामिल हुए हैं। विपक्षी दल ने जालना से विधायक कैलाश गोरंट्याल को बरकरार रखा है, जबकि पहली सूची में 25 मौजूदा विधायकों को बरकरार रखा था। पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व डिप्टी स्पीकर वसंत पुरके को रालेगांव (यवतमाल) से फिर से मैदान में उतारा गया है। पुरके 2019 का चुनाव हार गए थे। शिवाजीराव मोघे 2019 में चुनाव हार गए थे। अरनी सीट (यवतमाल) से उनके बेटे जितेंद्र को मैदान में उतारा है। पार्टी ने कांदिवली पूर्व सीट से कालू बधेलिया, सायन कोलीवाड़ा से गणेश यादव और चारकोप से यशवंत सिंह की उम्मीदवारी की घोषणा की है। कैम्पटी (नागपुर) में सुरेश भोयर राज्य भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले से मुकाबला करेंगे, जबकि वर्धा में पार्टी ने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष दिवंगत प्रमोद शेंडे के बेटे शेखर शेंडे को मैदान में उतारा है। औरंगाबाद पूर्व से मधुकर कृष्ण राव देशमुख, वसई से विजय गोविंद पाटिल, श्रीरामपुर से लेकर हेमंत उगले, निलंगा से अभय कुमार सतीश राव, शिरोल से गणपत राव अप्पा साहेब पाटिल चुनावी मैदान में होंगे।

चीन की आर्थिक चुनौती से भी सतर्क रहे भारत, दोनों देशों के बीच तनाव दूर होना स्वागतयोग्य

चार वर्ष पहले जब चीनी सेना ने लद्दाख में गलवन घाटी में घुसपैठ की थी तो उसकी भारतीय सैनिकों से खूनी झड़प हुई थी। इस झड़प में 20 भारतीय सैनिक बलिदान हुए थे और चीनी सेना को भी अच्छी-खासी क्षति उठानी पड़ी थी। यह बात और है कि चीन ने यह नहीं बताया कि उसके कितने जवान भारतीय सैनिकों के हाथों मारे गए। इस घटना के बाद चीन और भारत के संबंध पटरी से उतर गए। कुछ समय बाद गलवन घाटी और आसपास तो पहली जैसी स्थिति बहाल हो गई थी, लेकिन चीनी सेना ने लद्दाख में ही अन्य स्थानों और विशेष रूप से देपसांग और डेमचोक में अतिक्रमणकारी रवैया अपना लिया। इसी कारण चीन जाने वाली अपनी विमान सेवाओं को बंद कर करने के साथ उसके खिलाफ जो अन्य कदम उठाए गए, उन्हें वापस लेने के लिए भारत तैयार नहीं हुआ। इन कदमों में चीनी निवेश पर रोक लगाना और चीनी कारोबारियों को वीजा देने के नियम सख्त करना भी था सीमा पर तनाव के चलते भारत और चीन में आर्थिक-व्यापारिक सहयोग की पहल भी ठंडे बस्ते में चली गई। जहां भारत का जोर इस पर था कि सीमा पर चार वर्ष पहले वाली स्थिति बहाल की जाए, वहीं चीन का आग्रह था कि सीमा विवाद भूलकर आगे बढ़ा जाए। यह चीन की चालाकी थी। भारत ने उसकी चालबाजी को समझा और अपने रवैये से टस से मस नहीं हुआ। इसी के चलते पिछले दिनों ब्रिक्स सम्मेलन के पहले चीन नियंत्रण रेखा पर चार वर्ष पहले वाली स्थिति बहाल करने को राजी हुआ और दोनों देशों में इसे लेकर सहमति बनने की खबर आई-पहले भारत की ओर से, फिर चीन की ओर से। इस सहमति के कारण ही रूस में भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति के बीच करीब पांच वर्षों बाद द्विपक्षीय वार्ता हुई, जिसमें सीमा पर यथास्थिति कायम रखने पर बल दिया गया। भारत-चीन में बनी सहमति को लागू करने के लिए दोनों देश मिलकर काम कर रहे हैं। आशा है कि इसी माह के अंत तक यथास्थिति बहाल हो जाएगी भारत और चीन में सैन्य तनाव घटाने को लेकर जो सहमति बनी, उसे लेकर किस स्तर पर क्या बात हुई, यह तो शायद ही कभी सामने आए, लेकिन दोनों देशों के बीच तनाव दूर होना स्वागतयोग्य है। इसके बाद भी बहुत अधिक उत्साहित नहीं हुआ जा सकता, क्योंकि चीन अपने विस्तारवादी एजेंडे के तहत रह-रहकर नियंत्रण रेखा पर यथास्थिति में बदलाव की कोशिश करता रहता है। अभी यह नहीं कहा जा सकता कि वह आगे भारत को तंग करने के प्रयास नहीं करेगा। इस पर हैरानी नहीं कि सैन्य तनाव घटाने को लेकर सहमति बनने के बाद देश में यह स्वर आम है कि चीन से सावधान रहा जाना चाहिए। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि नियंत्रण रेखा पर चीन इसलिए पीछे हटने को तैयार हुआ, क्योंकि उसे अपने आर्थिक हितों की रक्षा करने में कठिनाई पेश आ रही थी। चीनी कारोबारियों को भारत में निवेश करने में समस्या तो हो ही रही थी, चीन इससे भी चिंतित था कि भारत उसके विस्तारवादी एजेंडे के खिलाफ पश्चिमी देशों का सहयोग ले रहा है और उसके यहां से होने वाले आयात को कम करने की कोशिश भी कर रहा है। भारत यह कोशिश अवश्य कर रहा था, लेकिन वह उसमें बहुत सफल नहीं हो पा रहा था। तमाम उपायों के बाद भी चीन से होने वाले आयात में कमी नहीं आ पा रही थी। भारत से चीन को होने वाले निर्यात में भी कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हो पा रही थी। इसके अलावा कारोबार जगत में यह महसूस किया जा रहा था कि भारतीय उद्योगों को आगे बढ़ने के लिए चीनी निवेश का सहारा चाहिए। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि गलवन की घटना के बाद चीनी वस्तुओं का बहिष्कार करने और भारत को आत्मनिर्भर बनाने की तमाम बातों के बाद भी भारतीय कारोबारी चीनी कारोबारियों का सामना करने की स्थिति में नहीं आ पाए। आज शायद ही कोई भारतीय उदयोग ऐसा हो, जिसकी निर्भरता चीन से आयात होने वाले कलपुर्जों या अन्य उत्पादों पर न हो। चीन भारत के कारोबारियों की जरूरत की प्रत्येक सामग्री उपलब्ध कराने में जिस आसानी से सक्षम है, उतनी सक्षमता अन्य किसी देश में नहीं। इसी कारण भारतीय कारोबारियों को चीन पर निर्भर रहना पड़ रहा है। इस निर्भरता का संज्ञान भारत सरकार के अर्थशास्त्रियों ने भी लिया और पिछले आर्थिक सर्वे में यह कहा गया कि भारत को चीन से आयात बढ़ाए बिना चीनी निवेश के लिए अपने दरवाजे खोलने चाहिए। इस सर्वे के अनुसार ऐसा करके भारत ग्लोबल सप्लाई चेन में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकता है। आज यदि चीन ग्लोबल सप्लाई चेन का केंद्र है तो इसीलिए कि उसके कारोबारी अपने उत्पादों की गुणवत्ता विश्वस्तरीय बनाने में सक्षम हो गए हैं। भारत को ग्लोबल सप्लाई चेन का हिस्सा बनने की जरूरत है। इसके लिए चीनी निवेश की मदद ली जा सकती है, लेकिन इसके प्रति सतर्क रहना होगा कि चीनी वस्तुओं के आयात के कारण चीन के साथ व्यापार घाटा और न बढ़ने पाए। सीमा पर सैन्य तनाव दूर होने के बाद चीन के साथ संबंध सामान्य करने के नाम पर ऐसा कुछ नहीं होना चाहिए, जिससे वह अपने आर्थिक-व्यापारिक एजेंडे को पूरा करने में समर्थ हो जाए। इससे इन्कार नहीं कि मोदी सरकार ने पिछले चार सालों में देश में मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए पीएलआइ स्कीम और मेक इन इंडिया के जरिये तमाम उपाय किए, लेकिन उनका असर कुछ ही सेक्टरों में दिख रहा है और अभी यह नहीं कहा जा सकता कि ये सेक्टर चीन से आ रहे कच्चे माल या उपकरणों पर निर्भर नहीं हैं। इसका एक कारण देश के पूंजीपतियों का रवैया है, जो रिसर्च और डेवलपमेंट में निवेश करने और अपने उत्पादों की गुणवत्ता विश्वस्तरीय बनाने को प्रतिबद्ध नहीं। हमारे पूंजीपतियों की यही कमी चीन को भारत में आर्थिक-व्यापारिक तौर पर अपनी पकड़ बरकरार रखने का मौका दे रही है। भारत को नियंत्रण रेखा पर सतर्क रहने के साथ इससे भी सावधान रहना होगा कि चीन उस पर आर्थिक रूप से हावी न होने पाए।

उप्र के उपचुनाव भी देंगे राजनीतिक संदेश, पीडीए प्रयोग की भी परीक्षा

महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों के साथ देश की निगाह उत्तर प्रदेश में होने वाले नौ विधानसभा सीटों के उपचुनाव पर भी है। पिछले लोकसभा चुनाव में अप्रत्याशित बढ़त से उत्साहित विपक्ष जाति जनगणना पर बल देने के साथ संविधान और आरक्षण 'बचाने' पर भी जोर देने में लगा हुआ है। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव उपचुनावों में पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) सोशल इंजीनियरिंग के जरिए अपनी सफलता दोहराना चाहते हैं। सपा का जनाधार 2019 लोकसभा में 17.96 से बढ़कर 2022 विधानसभा चुनावों में 32.06 और 2024 लोकसभा में 33.59 प्रतिशत हो गया। 2019 में पांच सीटों के मुकाबले सपा ने 2024 में 37 लोकसभा सीटें जीतीं। क्या इसका श्रेय पीडीए को दिया जा सकता है? क्या यह उपचुनावों में और आगे भी सफलता दिलाएगा 2017 में सपा अध्यक्ष बनने के बाद अखिलेश ने गठबंधन राजनीति में नए-नए प्रयोग किए हैं। पीडीए उनकी नवीनतम सोशल इंजीनियरिंग है। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने बीती सदी के सातवें दशक में अजगर (अहीर, जाट, गुर्जर, राजपूत), फिर मजगर (मुस्लिम, अहीर/यादव, जाट, गुर्जर, राजपूत) का प्रयोग किया। मुलायम सिंह ने एम-वाई (मुस्लिम-यादव) की राजनीति की, जबकि अखिलेश ने 2022 में गुर्जर, अहीर, जाट, ब्राह्मण समीकरण का प्रयोग किया। उनका पीडीए अभी तक का सफलतम प्रयोग रहा। अखिलेश ने 2017 में राहुल गांधी के साथ गठबंधन कर 'यूपी के दो लड़के' का असफल प्रयोग किया। 2019 लोकसभा चुनावों में उन्होंने धुर विरोधी बसपा सुप्रीमो मायावती से हाथ मिलाया, पर उनकी सीटें घटकर पांच रह गईं। 2022 विधानसभा चुनावों में उन्होंने छोटे-छोटे दलों जैसे रालोद, महान दल, अपना दल (कमेरावादी), सुहेलदेव पार्टी आदि के साथ असफल गठबंधन किया।

ADHUNIK TUTORIALS
" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th
(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .
Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

बालि वध और राम-रावण युद्ध का प्रसंग सुनाया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। डाला स्थित अचलेश्वर महादेव मंदिर में मानस प्रवचन का बृहस्पतिवार की रात समापन हुआ। कथावाचक आचार्य बृजेश दीक्षित ने भरत चरित्र, सीताहरण, बालि वध और राम-रावण युद्ध का प्रसंग सुनाया। उन्होंने कहा कि जिसका आदि और अंत नहीं है, वह सनातन धर्म संस्कृति है। निष्ठा, लगन व भक्ति से किया गया कोई कार्य कभी व्यर्थ नहीं होता। प्रभु को निष्ठावान लोग अतिप्रिय हैं। कहा कि भरत के अंदर त्याग और समर्पण का भाव था। उनका विमल यश चंद्रमा की भांति है। उनके चरित्र का वर्णन ना तो शेष ना नरेश, नारद शारद कोई नहीं कर सकता। भरत की महिमा जलाशय की भांति है। ऋषि वशिष्ठ भी बखान नहीं कर सकते। भरत के प्रेम में रामजी डूब जाते थे, इसलिए उनका वर्णन राम जी भी नहीं कर पाए। कथा विराम के बाद मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की भव्य आरती कर प्रसाद का वितरण हुआ। संचालन आचार्य पं. राजेश मिश्र ने किया। इस दौरान मंदिर के महंत मुरली तिवारी, मानस परिवार समिति के अध्यक्ष नीरज पाठक, राजवंश चौबे, ईश्वर जायसवाल, पवन शर्मा आदि रहे।

धान बेचने के लिए 1300 किसानों ने कराया पंजीकरण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। धान खरीद की तैयारियां तेज हो गई हैं। किसानों की सहूलियत के लिए इस बार जिले में 55 केंद्र बनाए गए हैं। सभी केंद्र एक नवंबर से सक्रिय कर दिए जाएंगे। केंद्रों पर किसान 2300 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर धान बेच सकेंगे। इस दौरान उन्हें धुलाई व पल्लेदारी के रूप में 20 रुपये अतिरिक्त देना होगा। यह धनराशि बाद में उन्हें खाते में वापस कर दी जाएगी। अब तक 1300 किसानों ने धान की बिक्री के लिए पंजीकरण करा लिया है। किसानों को उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए सरकारी क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं। सभी केंद्र एक नवंबर से सक्रिय होंगे। इससे पहले ही वहां बैनर, तौल मशीन, झरना, नमी मापक यंत्र सहित अन्य व्यवस्थाओं को पूरा करने में खरीद संस्थाओं के अधिकारी लगे हुए हैं। जिला खाद्य विपणन अधिकारी अमित कुमार चौधरी ने बताया कि क्रय केंद्र सुबह नौ से शाम 5 बजे तक खुलेंगे। शासन की ओर से सामान्य श्रेणी के धान का समर्थन मूल्य 2300 रुपये प्रति क्विंटल रखा गया है। ग्रेड ए का धान 2320 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जाएगा। खरीद के दौरान किसानों को धान की उतराई व ढुलाई के मद में 20 रुपये प्रति क्विंटल देने होंगे। बाद में यह राशि उन्हें धान के भुगतान में जोड़कर वापस कर दी जाएगी। सभी क्रय केंद्रों पर बोरे और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। पहले दिन से ही क्रय केंद्रों पर किसानों की खरीद शुरू हो जाएगी। जिन केंद्रों पर कोई उपकरण उपलब्ध नहीं है, उसे तत्काल मंडी समिति से प्राप्त करने को कहा गया है। हर केंद्र पर रजिस्टर रखकर रोज की खरीद का विवरण दर्ज किया जाएगा।

उच्च माध्यमिक तियरा तथा प्राथमिक विद्यालय पथरौरा ओवर ऑल चैंपियन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

अदलहाट। आदर्श इंटर कॉलेज के मैदान में शनिवार को आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में नरायनपुर ब्लॉक के गरौड़ी न्याय पंचायत के 10 प्राथमिक तथा चार उच्च माध्यमिक विद्यालयों के बच्चों ने प्रतिभाग किया। जिसमें उच्च माध्यमिक विद्यालय तियरा तथा प्राथमिक विद्यालय पथरौरा ओवर ऑल चैंपियन रहे।प्राथमिक विद्यालय बालक वर्ग 50 मीटर दौड़ में प्राथमिक विद्यालय पथरौरा के वसीम प्रथम व सूर्य प्रकाश द्वितीय स्थान पर रहे। 100 मीटर दौड़ में प्राथमिक विद्यालय

खरखसीपुर के लद्दू राव प्रथम व पथरौरा के वसीम द्वितीय स्थान पर रहे। कबड्डी प्रतियोगिता में प्राथमिक विद्यालय पथरौरा प्रथम व मूसेपुर द्वितीय, लंबी कूद में प्राथमिक विद्यालय पथरौरा के आफताब प्रथम व खरखसीपुर के लद्दू राव द्वितीय स्थान पर रहे। पूर्व माध्यमिक बालक वर्ग 100 व 200 मीटर दौड़ में पूर्व माध्यमिक विद्यालय तियरा के आनंद प्रथम व बरेंव के आशीष द्वितीय स्थान पर रहे। कबड्डी प्रतियोगिता में पूर्व कंपोजिट विद्यालय तियरा प्रथम व बरेंव द्वितीय, लंबी कूद में पूर्व माध्यमिक विद्यालय बरेंव के प्रभाकर प्रथम व आशीष द्वितीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग प्राथमिक स्तर पर 50 व 100 मीटर दौड़ में अपेक्षा पथरौरा प्रथम, प्रीति बरेंव द्वितीय, कबड्डी प्रतियोगिता में प्राथमिक विद्यालय गौरही प्रथम व बरेंव द्वितीय, लंबी कूद में अपेक्षा पथरौरा प्रथम व नाजिया गरौड़ी द्वितीय स्थान पर रहीं। पूर्व माध्यमिक स्तर पर बालिका वर्ग में 100 व 200 मीटर दौड़ में पूर्व माध्यमिक विद्यालय तियरा की प्रीती प्रथम, रानू द्वितीय स्थान पर रहीं। कबड्डी प्रतियोगिता में कंपोजिट माध्यमिक विद्यालय अदलहाट प्रथम व बरेंव द्वितीय स्थान पर रहा। लंबी कूद में पूर्व माध्यमिक विद्यालय तियरा की प्रीति प्रथम, पूर्व माध्यमिक विद्यालय अदलहाट की सोनम द्वितीय स्थान पर रहीं।

बॉलीवुड/टैली मसाला

शाहरुख खान के साथ 'अशोका' में काम करने के बाद रिटायर होना चाहती थीं करीना कपूर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म सिंघम अगेन को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई

हैं। इसी बीच करीना का एक इंटरव्यू सामने आया है, जिसमें बेबो ने फिल्म अशोका के बाद फिल्मों से संन्यास लेने की बात कही थी। इस फिल्म में वह शाहरुख खान के साथ नजर आई थीं।2001 में करीना कपूर खान और शाहरुख खान की फिल्म अशोका रिलीज हुई थी। इस फिल्म में करीना ने मुख्य भूमिका निभाई थी। संतोष सिवन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में शाहरुख खान भी मुख्य भूमिका में नजर आए थे। इस फिल्म में कौरवकी के रूप में करीना का अभिनय सभी को पसंद आया। उस समय, करीना को अपने करियर की शुरुआत में इस तरह के शानदार किरदार निभाने के लिए जमकर सराहा गया था, लेकिन क्या आप जानते हैं कि उस समय बेबो ने सोचा था कि शाहरुख खान के साथ फिल्म अशोका में काम करने के बाद उन्हें रिटायर हो जाना चाहिए? आखिर बेबो ने ऐसा क्यों कहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान करीना कपूर खान ने कहा था कि उनकी चौथी फिल्म (अशोका) के रूप में, उनकी मां ने उनसे कहा था कि वह इस प्रदर्शन को बेहतर नहीं कर पाएंगी। करीना ने कहा, ठमैं उनसे सहमत हूं। मुझे लगता है कि मुझे रिटायर हो जाना चाहिए।ठ उसी इंटरव्यू में आगे, करीना ने अपने करियर की शुरुआत में इस तरह की चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाने के बारे में खुलकर बात की थी। करीना को इस तरह की शानदार फिल्म का हिस्सा बनने पर काफी गर्व था और अपनी शानदार परफॉर्मेंस के लिए प्रशंसकों ने उन्हें लेटर्स और फूल भेजे थे, जिससे वह काफी खुश थीं। करीना ने कहा, ठआजकल हर हीरोइन अशोका जैसी फिल्म करने के लिए कुछ भी कर सकती है। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं, जब मैं अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव में गई, तो हमें जिस तरह का स्वागत मिला, जो अविश्वसनीय था। हर जगह हमारे लिए खड़े होकर तालियां बजाई गईं और दर्शक केवल भारतीय नहीं थे बल्कि दुनिया भर से लोग आए थे। फिर कई हॉलीवुड और ब्रिटिश निर्देशक मेरे पास आए और कहा कि मैं अद्भुत हूं। उन्हें यकीन ही नहीं हुआ कि मैं भारतीय हूं। इसके अलावा, करीना ने बताया था कि घर वापस आकर उन्हें यश जौहर, यश चोपड़ा और बाकी प्रसिद्ध फिल्म निर्माताओं से भी खूब तारीफें मिलीं। उनके सह-कलाकार, जिनसे वह कभी नहीं मिलीं, उन्होंने भी उन्हें फोन किया और प्रशंसकों ने फूल भेजे। उन्होंने कहा कि उनमें कभी आत्मविश्वास की कमी नहीं रही। शुरू से ही, वह अपने किरदार में पूरी तरह डूब गई थीं। अभिनेत्री का मानना है कि वह और शाहरुख एक साथ बहुत अच्छे थे। काम की बात करें तो शाहरुख फिल्म किंग में नजर आएंगी, वहीं करीना फिल्म सिंघम अगेन में नजर आएंगी, जो इस साल दिवाली पर रिलीज हो रही है।

बिश्नोई समाज ने फूंका सलमान खान और सलीम खान का पुतला, बोले- 'गलत बयान नहीं होगा बर्दाशत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अभिनेता सलमान खान को लॉरेंस बिश्नोई गैंग की तरफ से लगातार मिल रही

धमकियों के बीच एक घटना और घट गई है। सलमान खान के पिता सलीम खान के बयान से आहत होकर बिश्नोई समाज ने पिता और पुत्र का पुतला फूंका है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग और सलमान खान का मामला और भी बढ़ता जा रहा है। इस गैंग द्वारा बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी लेने के बाद से ही स्थिति और खराब हो गई है। कहा जा रहा है कि सलमान खान ने तो अपने लिए एक बुलेटप्रूफ कार भी विदेश से मंगवाई है। इसके अलावा उनके पिता भी लगातार सलमान खान का बचाव कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अपने बेटे के बचाव में कुछ ऐसा कहा कि बिश्नोई समाज उनसे नाराज हो गया। उन्होंने सलमान खान और सलीम खान के पुतले बनाकर फूंक दिए हैं। साथ ही अभिनेता को चेतावनी भी दी है। पिछले दिनों एक इंटरव्यू में सलीम खान ने सलमान को बेगुनाह बताया था। उन्होंने कहा कि मेरे बेटे ने कोई गुनाह नहीं किया है। उन्होंने कहा कि कोई गुनाह किया है, आपने देखा है? आपको मालूम है? जांच पड़ताल की है? हमने तो कभी बंदूक भी यूज नहीं की। सलीम खान ने कहा, सलमान ने कहा मैं तो था भी नहीं उस समय, उस जगह पर। उसको नहीं शौक जानवर मारने का, वो जानवर से मोहब्बत करता है। सलीम खान के बयान के बाद से ही बिश्नोई समाज उनसे नाराज हो गया है। उनका कहना है कि सलीम खान गुमराह कर रहे हैं। वह सलमान को बेकसूर बता रहे हैं। जबकि उन्होंने ही काले हिरण को मारा है। बिश्नोई समाज के लिए काला हिरण उनके बच्चे के समान होता है इसलिए वह काले हिरण को मारने की बात को कभी नहीं भूल सकते हैं। उन्होंने कहा, जब तक सलमान खान इसके लिए माफी नहीं मांगते बिश्नाई समाज उन्हें दोषी मानता रहेगा। सलीम खान के बयान से नाराज होकर बिश्नाई समाज के लोगों ने शनिवार को जयपुर में जमा होकर उनके खिलाफ प्रदर्शन किया। साथ ही सलीम खान और सलमान खान के पुतले बनाकर भी फूंकें। इस घटना के बाद से सलमान और सलीम खान की तरफ से कोई भी बयान नहीं आया है।

विक्रमादित्य मोटवानी को पसंद है अनन्या का काम, बोले- 'वो अपने लुक्स को लेकर परेशान नहीं होतीं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अभिनेत्री अनन्या पांडे का काम 'कंट्रोल' फिल्म निर्देशक विक्रमादित्य मोटवानी को काफी पसंद है। उन्होंने कहा कि अनन्या अनन्या पांडे शूटिंग और काम के दौरान सेट पर बहुत ही मस्ती से काम करती हैं। विक्रमादित्य मोटवानी ने अनन्या पांडे को बहुत ही अच्छी अभिनेत्री बताया। उन्होंने

शूट से पहले बहुत प्रैक्टिस करती हैं।'कंट्रोल' फिल्म में नजर आ रही अभिनेत्री अनन्या पांडे को उनके अभिनय के लिए प्रशंसा मिल रही है। इसे बाद फिल्म कंट्रोल के निर्देशक विक्रमादित्य मोटवानी ने फिल्म में अनन्या पांडे की तारीफ की है। निर्देशक ने बताया अनन्या पांडे अपने लुक्स को लेकर बिल्कुल भी परेशान नहीं होती। वह काम करने के लिए बहुत रिहर्सल करती हैं।निर्देशक विक्रमादित्य मोटवानी ने अनन्या पांडे के काम को लेकर बात की। उन्होंने कहा, वो काम में बहुत ही अच्छी हैं। उन्होंने बताया कहा, अनन्या काम तो करती है, वह शूट से पहले प्रैक्टिस करती हैं।निर्देशक विक्रमादित्य मोटवानी ने कहा कि अनन्या को उन्होंने फिल्म की शूटिंग के दौरान अपने आसपास के क्षेत्र को भूलकर अभिनय करने के लिए कहा, क्योंकि अनन्या को लैपटॉप पर देखते हुए शूटिंग करनी थी। निर्देशक ने कहा कि उन्हें अनन्या के काम करने का तरीका अच्छा लगता है। अनन्या पांडे की इस फिल्म में उनके अभिनय को प्रशंसकों ने बहुत पसंद किया।

जान्हवी ने सिटाडेल हनी बनी की जमकर तारीफ की, वरुण सामंथा के लिए बोली दिल छू लेने वाली बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने अपने सह-कलाकार वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु की आगामी एक्शन थ्रिलर वेब सारीज सिटाडेलः हनी बनी की जमकर तारीफ की। साथ ही

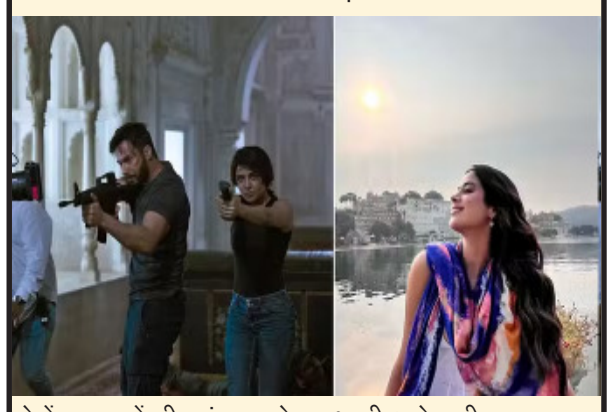

दोनों कलाकारों की प्रशंसा करते हुए बोली खास बात।वरुण धवन और सामंथा रूथ प्रभु की बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज सिटाडेलः हनी बनी, 7 नवंबर, 2024 को अमेजन प्राइम वीडियो पर प्रीमियर के लिए तैयार है। टीजर और ट्रेलर रिलीज होने के साथ ही उत्साह बढ़ता जा रहा है। वहीं अब वरुण की सनी संस्कारी की तुलसी कुमार की सह-कलाकार और बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने उनके आगामी राज और डीके के शो के लिए दोनों की प्रशंसा करते हुए कहा, ठदोनों ने कमाल कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान जब जान्हवी कपूर से पूछा गया कि उन्हें वरुण की सिटाडेल कैसी लगी। उन्होंने जवाब दिया, मुझे लगता है कि यह कमाल की है। मुझे लगता है कि उन्होंने और सामंथा ने कमाल कर दिया है, और मुझे उम्मीद है कि वे जो भी करेंगे, उन्हें हमेशा सफलता मिलेगी क्योंकि वे बहुत मेहनती हैं। हनी बनी के लिए, यह बहुत बढ़िया है वरुण और सामंथा रुथ प्रभु की आने वाली एक्शन ड्रामा वेब सीरीज सिटाडेलः हनी बनी में सामंथा हनी और वरुण बनी के किरदार में नजर आएंगे। सिटाडेल का भारतीय संस्करण, सिटाडेलः हनी बनी , मूल श्रृंखला की कहानी पर आधारित है, जिसमें प्रियंका चोपड़ा ने नादिया की भूमिका निभाई है। जान्हवी और वरुण ने पहली बार साल 2023 में फिल्म बवाल में एक साथ काम किया था। इस फिल्म में दोनों ने पति-पत्नी का किरदार निभाया था। यह फिल्म दोनों के प्रशंसकों को बेहद पसंद भी आई थी। अब जान्हवी और वरुण फिर से एक साथ फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में नजर आएंगे।

परम सुंदरी' में बिजनेस टाइकून का किरदार निभाएंगे सिद्धार्थ, जान्हवी की भूमिका का भी खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। फिल्म 'परम सुंदरी' में सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर के किरदार के बारे में कुछ दिलचस्प खुलासे हुए हैं। वे एक दूसरे से अलग हैं, लेकिन प्यार उन्हें साथ

ले आता है। सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की जोड़ी ने प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है। खबर है कि दोनों कलाकार पहली बार किसी प्रोजेक्ट पर साथ काम कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिद्धार्थ और जान्हवी एक क्रॉस-कल्चरल लव स्टोरी 'परम सुंदरी' में स्क्रीन स्पेस शेयर करते नजर आएंगे। तुषार जलोटा द्वारा निर्देशित यह फिल्म कथित तौर पर दिसंबर में फ्लोर पर जाएगी। फिल्म शुरू होने से पहले सिद्धार्थ और जान्हवी के किरदारों के बारे में जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म विपरीत आकर्षण की एक क्लासिक कहानी है। सिद्धार्थ का किरदार दिल्ली से है, जबकि जान्हवी का किरदार केरल से है। बताया गया है कि तुषार जलोटा निर्देशित इस फिल्म में सिद्धार्थ एक अमीर बिजनेस टाइकून की भूमिका निभाएंगे। जान्हवी के किरदार के बारे में बताया बताया गया कि जान्हवी एक आधुनिक कलाकार की भूमिका निभा रही हैं, जिसके विचार और मूल्य मजबूत हैं। उनका किरदार केरल की एक दक्षिण भारतीय महिला का है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे दोनों अलग-अलग व्यक्तित्व होने के बावजूद प्यार में पड़ जाते हैं।' उनकी फिल्म का पहला शेड्यूल सिद्धार्थ के साथ दिल्ली में शुरू होगा। इसके बाद केरल में कुछ समय बिताया जाएग और बाद में बाकी शूटिंग मुंबई के एक स्टूडियो में होगी। स्टूडियो में दो बड़े सेट बनाए जाएंगे। एक सेट विशाल घर का होगा, जबकि दूसरा पारंपरिक केरल के घरों के अंदरूनी हिस्सों को दर्शाएगा। परम सुंदरी के बारे में आगे बताया गया कि अगर चीजें योजना के अनुसार होती हैं तो फिल्मांकन फरवरी 2025 तक पूरा हो जाएगा। शीतल शर्मा इस प्रोजेक्ट पर कॉस्ट्यूम डिजाइनर के रूप में काम कर रही हैं, जिन्होंने हाल ही में मुंज्या और स्त्री 2 पर काम किया है। दोनों अभिनेताओं के लुक टेस्ट हाल ही में आयोजित किए गए थे।

दिवाली पार्टी में साथ नजर आए लव बर्ड्स विजय-तमन्ना, पैपराजी के साथ ली सेल्फी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। हाल ही में, विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया फैशन दिवाली पार्टी में शामिल हुए। इस दौरान लव बर्ड्स ने जमकर पोज

दिए और पैपराजी के साथ सेल्फी भी ली, जो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है।बॉलीवुड अभिनेता विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया सबसे पसंदीदा जोड़ों में से एक हैं। वे अपने फैशन सेंस से प्रशंसकों को अक्सर इंप्रेस करते आए हैं। शनिवार की रात, इस जोड़े को रमेश तौरानी की दिवाली पार्टी में देखा गया। वे स्टाइलिश अंदाज में नजर आए। हालांकि, एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें विजय वर्मा को तमन्ना के साथ पैपराजी के साथ सेल्फी लेते देखा गया, जो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है इस वीडियो में आप विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया को मीडिया के साथ मजेदार बातचीत करते हुए देख सकते हैं। उन्होंने उनके साथ एक सेल्फी भी क्लिक की और मीडिया को दिवाली की शुभकामनाएं भी दीं। बाद में, तमन्ना ने कुछ तस्वीरें भी खिंचवाईं। वह पिंक कलर के लहंगे में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। फैंस ने कमेंट सेक्शन में दिल वाले इमोजी के साथ दोनों को क्यूट कपल का टैग दिया। तमन्ना और विजय दोनों ने ही दिवाली पार्टी के लिए शानदार लुक अपनाया। पार्टी में शामिल होने के बाद, कथित प्रेमी जोड़े को एक साथ बाहर निकलते हुए देखा गया, जो कपल गोल्स की तरह था। पैपराजी द्वारा साझा इस वीडियो और तस्वीरों से पता चलता है कि तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा दिवाली पार्टी के लिए बेहतरीन कपड़े पहने हुए थे। जैसे ही वे जश्न से बाहर निकले, अभिनेता ने अपनी प्रेमिका को अपने करीब रखा और उसके चारों ओर एक सुरक्षात्मक हाथ रखा। कार के पास जाने से पहले दोनों ने खुशी-खुशी पैपराजी को जमकर पोज दिए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा ने कथित तौर पर दिसंबर 2022 में डेटिंग शुरू की। हालांकि, शुरू में दोनों ने अपने रिश्ते के बारे में चुप्पी साधे रखी, लेकिन तमन्ना ने आखिरकार जून 2023 में एक इंटरव्यू में विजय के साथ डेटिंग की पुष्टि की, जिसके दौरान उन्होंने उन्हें अपना 'खुशहाल जगह' बताई। काम की बात करें तो तमन्ना भाटिया को आखिरी बार निखिल आडवाणी की फिल्म 'वेदा' में देखा गया था। इस फिल्म में उनकी स्पेशल अपीयरेंस थी। अमर कौशिक की हॉरर-कॉमेडी 'स्त्री 2: सरकटे का आतंक' में भी उन्होंने कैमियो किया था। तमन्ना अगली बार अशोक तेजा द्वारा निर्देशित तेलुगु सुपरनैचुरल फिल्म 'ओडेला 2' में नजर आएंगी। इस बीच, विजय वर्मा को आखिरी बार 'आईसी 814: द कंधार हाईजैक' सीरीज में देखा गया था और उनकी 'सूर्या 43' पाइपलाइन में है।

घर में आपका जो क्रश है, उसे मम्मी पसंद करेंगी रोहित शेट्टी ने किया चाहत से मस्ती भरा सवाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बिग बॉस 18 के वीकेंड का वार में अभिनेत्री चाहत पांडे से निर्देशक रोहित शेट्टी ने मस्ती भरा सवाल किया। उन्होंने चाहत से पूछा कि आपका जो घर में क्रश है, उसे आपकी मम्मी पसंद करेंगी। इस पर चाहत ने भी जवाब दिया। आइए आपको बताते हैं वीकेंड के वार में क्या कुछ होगा खास। बिग बॉस 18 में वीकेंड के वार पर घरवालों मिलने बाजीराव सिंघम और रोहित शेट्टी पहुंचे। सलमान खान के साथ रोहित शेट्टी भी घरवालों के साथ कुछ मस्ती मजाक करते नजर आए। आज यानी रविवार को भी वीकेंड के वार पर घरवालों और रोहित शेट्टी के बीच नया प्रोमो जारी हुआ है। इसमें रोहित शेट्टी घरवालों के साथ मस्ती कर रहे हैं। सबसे पहले रोहित शेट्टी ने चाहत पांडे से सवाल किया। उन्होंने कहा जवाब

न में देने पर झटका लगेगा। निर्देशक रोहित शेट्टी बिग बॉस 18 के नए प्रोमो में चाहत पांडे से सवाल पूछते नजर आ रहे हैं। रोहित शेट्टी ने कहा कि अगर आपने न कहा तो आपको झटके लगेंगे। चाहत पांडे से रोहित शेट्टी कहते हैं कि आपका घर में क्रश है, उसे आपकी मम्मी पसंद करेंगी। इस पर चाहत कहती हैं कि मेरा घर में कोई क्रश नहीं है। इसके बाद उनको जोरदार झटका लगता है, जिस पर वे चिल्लाती और रोती नजर आ रही हैं। उन्हें देखकर सलमान खान, अजय देवगन और रोहित शेट्टी के साथ घरवाले हंस रहे हैं। वीकेंड के वार में सलमान ने पूछा कि विवियन डीसेना और करण वीर मेहरा के बीच किसका दिल ज्यादा काला है। इस पर चाहत, शिल्पा और अविनाश मिश्रा ने अपनी बात कही। इस बीच अविनाश और करण वीर मेहरा के बीच भी झगड़ा हो गया। अविनाश ने अपनी राय रखते हुए कहा, 'आप जो ये दूसरों की जिंदगी में मिट्टी का तेल डालकर आग लगाते हैं..' इतने में करण वीर कहते हैं, 'प्वाइंट ऑफ व्यू देना है कि नहीं देना है'। बिग बॉस 18 में घरवालों के बीच इन दिनों राशन को लेकर हुए टास्क में अरफीन खान और अविनाश मिश्रा के व्यवहार को लेकर बातें सुनने को मिलीं।

ऋतिक की कथित गर्लफ्रेंड सबा ने रखा पूर्व पत्नी सुजैन का नया नाम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। ऋतिक रोशन की कथित गर्लफ्रेंड सबा आजाद ने अपने

सोशल मीडिया हैंडल पर उनकी पूर्व पत्नी सुजैन खान के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में ऋतिक रोशन और अर्सलान गोनी भी नजर आ रहे हैं।दरअसल, संजय खान और जरीन कटराक की बेटी सुजैन खान का 26 अक्टूबर, 2024 को जन्मदिन था। सुजैन ने अपने 49वें जन्मदिन को अपने कथित बॉयफ्रेंड अर्सलान गोनी और करीबी दोस्तों के साथ मनाया। इस पार्टी में सुजैन के पूर्व पति और बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन और उनकी कथित गर्लफ्रेंड सबा आजाद भी उनकी पार्टी में शामिल हुए। सबा ने एक अनदेखी तस्वीर साझ की, जिसमें वे साथ में पोज देते बेहद ही खुश नजर आ रहे हैं। इस दौरान सबा ने बर्थडे गर्ल सुजैन के लिए एकदम सही निकनेम रखा है। कुछ घंटे पहले सबा आजाद ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर सुजैन खान के साथ जन्मदिन के जश्न की कई शानदार तस्वीरें साझ कीं। उनकी इंस्टाग्राम स्टोरी में आप सबा को सुजैन, ऋतिक रोशन और अर्सलान गोनी के साथ पोज देते हुए देख सकते हैं। तस्वीर में वे सभी कैमरे के लिए खुशी से मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं, लेकिन सभी का ध्यान उनके कैप्शन ने खिंचा। इस दौरान बर्थडे गर्ल सुजैन ने गोल्डन एक्सेसरीज और ब्लैक बूट्स के साथ ब्लैक मिनी ड्रेस पहनी थी और अर्सलान ने ब्लैक टी, डेनिम और जैकेट पहनी थी।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।

सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398

website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।